यश भारत

नये जमाने के साथ..

● वर्ष- 17 अंक 96 ● कटनी ● मंगलवार, 9 मई, 2023 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 4 ● विक्रम संवत् 2080 शके 1935

जबलपुर में आज का मौसम

आज सुबह का तापमान

28.8 डिसे

दोपहर 12 बजे तक

36.0 डिसे

आसमान साफ

तेज धूप बढ़ा पारा

देशभर में हनुमान चालीसा का पाठ

बेंगलुरू एजेंसी। कांग्रेस ने अपने घोषणा-पत्र में बजरंग दल पर बैन लगाने का ऐलान किया था। इसके बाद से भाजपा, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल विरोध कर रहे हैं। आज कर्नाटक समेत देशभर में हनुमान चालीसा पाठ किया जा रहा है। बेंगलुरू में केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता शोभा करंदलाजे ने वीर अंजनेय मंदिर में ज्जय श्री रामज का नारा लगाया। बेंगलुरू में चुनाव आयोग के अधिकारी बजरंग दल के हनुमान चालीसा पाठ को रुकवाने पहुंचे। अधिकारियों का कहना है कि अभी धारा 144 लागू है। इस पर बजरंग दल के कार्यकर्ता भड़क गए। उनका कहना था कि रमजान के दौरान तो भीड़ जुटने की ऐसी कोई पाबंदी नहीं थी।

खरगोन में बस 50 फीट ऊंचे पुल से सूखी नदी में गिरी

15 की मौत, 25 घायलों में कई नाजुक, बढ़ सकता है आंकड़ा

■ खरगोन, यशभारत।

मध्य प्रदेश में खरगोन जिले में श्रीखंडी से इंदौर जा रही बस मंगलवार सुबह 8.30 बजे डोंगरगांव के पास बोराड़ नदी के पुल से नीचे जा गिरी। हादसे में मौके पर ही 15 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में चालक, परिचालक और क्लीनर भी शामिल हैं। इसमें 25 यात्री घायल हुए हैं, जिन्हें इलाके लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और खरगोन जिला अस्पताल लाया गया है। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि बेहद दुखद घटना है। घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए गए हैं।गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने भी 15 यात्रियों की मौत की पुष्टि की है। 20-25 लोग घायल हैं। घायलों को आसपास के अस्पतालों में पहुंचाया जा रहा है।जानकारी के मुताबिक एमएसटी हीरामणि ट्रेवल्स की बस एमपी 10 पी 7755 ओवरलोड थी। सूचना मिलने के बाद घटना स्थल पर एसपी, कलेक्टर और विधायक भी पहुंच गए थे। जो जानकारी सामने आ रही है उसके अनुसार कई घायलों की हालत नाजुक है जिससे मृतक संख्यय बढ़ने का आंदेशा है। बोराड नदी पर पुल बना हुआ है लेकिन बस एकाएक बेकाबू होकर रैलिंग तोड़ते हुए नीचे जा गिरी। बस के गिरते ही वहां अफरातफरी मच गई। कई लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था।

गनीमत है कि सूखी थी नदी

नदी सूखी होने से मौतों की संख्या 15 के आसपास बताई जा रही है। यदि नदी में पानी होता तो मृतकों का आंकड़ा अधिक हो सकता था। इसी तरह का हादसा पिछले साल खलघाट पर हुआ था, जब एक बस नर्मदा नदी पर बने पुल से गिर गई थी और कोई भी नहीं बचा था। सरकार ने बस हादसे की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। आईजी राकेश गुप्ता ने बताया कि खरगोन के बेजापुर से इंदौर की ओर जा रही थी। रफ्तार तेज होने के कारण अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ते हुए पुल से नीचे जा गिरी। नदी सूखी होने के कारण अधिकतर यात्रियों को चोट लगी है, लेकिन 15 से अधिक यात्रियों की मौत हो गई। रेस्क्यू जारी है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाया जा रहा है।

बस में 50-55 लोग सवार थे

डोंगरगांव के रहने वाले राज पाटीदार ने बताया कि मां शारदा ट्रेवल्स की बस में 50 से 55 लोग सवार थे। हादसे के बाद डोंगरगांव और लोनारा गांव के ग्रामीण मौके पर जुटे। बस के कांच फोड़कर घायलों को बाहर निकाला। ग्रामीणों ने बताया कि गांव से पांच मिनट पहले ही बस निकली थी। बस तेज रफ्तार में चल रही थी।

मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका

पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। बचाव के लिए ग्रामीण सहित पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंच चुके हैं। बचाव दल लगातार लोगों को निकालकर अस्पताल भेज रहा है। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार मृतकों का आंकड़ा बढ़ सकता है।

कमलनाथ ने भी जताया दुख

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि खरगोन जिले में एक बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 15 लोगों की मृत्यु और बहुत से लोगों के घायल होने का दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। मैं ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति की प्रार्थना करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना है। राहत और बचाव दल को अपने अभियान में शीघ्र सफलता मिले ऐसी प्रार्थना है।

मुख्यमंत्री शिवराज ने घोषित की आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हादसे पर दुख जताते हुए हादसे में मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता घोषित की है। राज्य सरकार ने खरगोन में हुई बस दुर्घटना में मृतकों के परिवारजनों को चार लाख रुपये की सहायता राशि, गंभीर घायलों को 50 हजार रुपये, कम एवं साधारण घायलों को 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। साथ ही दुर्घटना में घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा की जाएगी।

कर्नाटक में 224 सीटों पर मतदान कल

असर डाल सकते बजरंग बली, आरक्षण और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे

कर्नाटक में विधानसभा में बहुमत के लिए चाहिए 113

भाजपा, कांग्रेस, जेडीएस के बीच मुख्य मुकाबला

■ बैंगलुरू, एजेंसी।

कर्नाटक में चुनाव प्रचार का शोर थम गया। 10 मई, बुधवार को प्रदेश की सभी 224 सीटों पर मतदान होगा। चुनाव आयोग ने सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं। भाजपा, कांग्रेस और जेडीएस ने धुआंधार प्रचार किया। बजरंग बली, आरक्षण और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे हावी रहे। देखना यही है कि इन फायदा किस दल को मिलेगा। नतीजा 13 मई को घोषित होगा।सोमवार को प्रचार अभियान थमने के बाद राजनीतिक दल महीनों तक चले अभियान को अपने-अपने दृष्टिकोण से आंक-परख रहे हैं। इस चुनाव में भाजपा के सामने साढ़े तीन दशकों से चले आ रहे सत्ता परिवर्तन के ट्रेंड को तोड़कर दक्षिण भारत में अपने इकलौते दुर्ग को बचाने की चुनौती है। वहीं कांग्रेस सत्ता में वापसी के लिए प्रयासरत इस बार अपने लिए बेहतर मौका देख रही है। इसी तरह जनता दल एस त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति में किंगमेकर बनने के लिए जोर लगा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी को जहरीला सांप कहकर सबसे पहले भाजपा को पलटवार का मजबूत मौका दिया।खरगे के बेटे ने भी पीएम को नालायक कह दिया।चुनाव से ठीक पहले लिंगायत और वोक्कालिगा के लिए भाजपा सरकार ने चार प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण को खत्म कर दिया था।भाजपा का अपना दांव था और उसकी उम्मीद के मुताबिक कांग्रेस ने चुनावी घोषणा कर दी सत्ता में आने पर मुस्लिम आरक्षण बहाल कर देंगे। बजरंग दल पर प्रतिबंध की घोषणा करके भी कांग्रेस ने ध्रुवीकरण की जमीन खुद तैयार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इसका अहसास होने पर दिल्ली में बैठे नेता उस पर यू-टर्न लेने का प्रयास करते रहे, लेकिन तब तक भाजपा उसे अभियान में हवा दे चुकी थी। ऐसा ही ताजा मामला फिल्म केरल स्टोरी का भी आ गया।प्रतिष्ठा से जुड़े इस चुनाव के लिए पीएम नरेन्द्र मोदी ने आखिरी दौर में जमकर मेहनत की। चुनाव घोषणा के बाद 24 अप्रैल से 7 मई तक उन्होंने तीन रातें कर्नाटक में गुजारीं।

बजरंग बली, आरक्षण और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे हावी रहे। देखना यही है कि इन फायदा किस दल को मिलेगा। नतीजा 13 मई को घोषित होगा।सोमवार को प्रचार अभियान थमने के बाद राजनीतिक दल महीनों तक चले अभियान को अपने-अपने दृष्टिकोण से आंक-परख रहे हैं। इस चुनाव में भाजपा के सामने साढ़े तीन दशकों से चले आ रहे सत्ता परिवर्तन के ट्रेंड को तोड़कर दक्षिण भारत में अपने इकलौते दुर्ग को बचाने की चुनौती है। वहीं कांग्रेस सत्ता में वापसी के लिए प्रयासरत इस बार

ज्योतिषाचार्य पं. नारायण शंकर नाथूराम व्यास की भविष्यवाणी

कनार्टक में बनेगी कांग्रेस की सरकार येदियुरप्पा के लिये भी समय अच्छा

■ जबलपुर, यशभारत।

बोम्मई की पत्रिका को चन्द्र से देखा जाये तो शनि बारवें भव में है, जो कि शुभ फलकारी नहीं है, वर्तमान में शनि में राहु की अंर्तदशा बहुत परेशानी देने वाली है। शनि में राहु उसमें केतु का प्रत्यंतर मई तक रहेगा। केतु का बारहवां भाव नुकसान का भाव होता है। इसलिये संभव है कि बीजेपी को चुनाव में हार का सामना करना पड़ सकता है, और इसके बाद पार्टी बोम्मई को हटा भी सकती है। कर्नाटक चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री श्री अमितशाह के अथक ताबड़तोड़ चुनाव प्रचार से भाजपा को निश्चित रूप से लाभ होगा परन्तु कनार्टक के शीर्ष नेताओं के ग्रहों के भाजपा प्रभाव से बहुमत से दूर रह सकती है।

ज्योतिषाचार्य पं. नारायण शंकर नाथूराम व्यास

येदियुरप्पा

12 मई 2023 तक मंगल की महादशा में मंगल की अंर्तदशा रहेगी, जिसके परिणाम स्वरूप उन्हें चुनाव में अच्छी सफलता मिलने की संभावना नहीं है, परन्तु 12 मई 2023 से 30 मई 2024 तक मंगल में राहु की अंर्तदशा रहेगी जो उन्हें भाजपा में कोई सम्मानजनक बड़ा पद या राज्यसभा में भेजा जा सकता है, क्योंकि लग्न में राहु और नवमांश में भी ग्रह बहुत तागतवर है. यह येदियुरप्पा के प्रभाव तथा राजनैतिक शक्ति में वृद्धि कारक है।

जनता दल

कुमार स्वामी की कुण्डली की सबसे खास बात यह है मंगल और गुरु छठे भाव में साथ में है। छठवां भाव पिता के भाव से नवम भाग्य का भाव होता है, जिससे कुमार स्वामी को पिता के नाम से और आज भी उनके मार्गदर्शन से लाभ हो रहा है। वर्तमान में अगस्त 23 तक केतु की महादशा में गुरु अंर्तदशा रहेगी तथा 14 मई तक सूर्य का प्रत्यंतर उसके बाद में चन्द्रमा का प्रत्यंतर आता है। दशा का स्वामी केतु दसवें घर में है, लेकिन दशमांश में आठवें घर में आता है। जो शुभ नहीं है। सूर्य भी संधि में होने से मददगार नहीं है। अमात्य कारक शुक्र शुभ फलकारी है। विन्शोत्तरी दशा कुमार स्वामी के लिये ज्यादा शुभ फलकारी नहीं है, परन्तु जेमिनी चर दशा शुभ फलकारी होने से कुमार स्वामी का कर्नाटक चुनाव में प्रदर्शन सन्तोष जनक रहेगा और पार्टी पिछले चुनाव की तरह ही प्रदर्शन कर सकेगी।

कांग्रेस

डी. के. शिव कुमार के ग्रहों की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शुक्र अपनी दशांश लग्न का स्वामी है और नवम भाव में प्रबल रूप से स्थित है, जिसके फलस्वरूप मई में चुनाव परिणाम के समय सूर्य का प्रत्यंतर उन्हें नई सरकार में सम्मान जनक मंत्री पद दिला सकता है। जनवरी 25 तक शनि में बुध की अंर्तदशा रहेगी जेमिनी चर दशा 15 मई 23 तक रहेगी। अमत्य कारक बुध की दृष्टि मकर राशि पर है जो दशा से ग्यारहवां है यह बहुत उच्च स्थिति को दर्शाता है। शिव कुमार के नेतृत्व में कांग्रेस को कर्नाटक में सरकार बनाने का मौका मिलेगा। यद्यपि कांग्रेस के नेताओं के वाणी दोष और घोषणा पत्र की खामियों से नुकसान भी होगा। फिर भी कनार्टक चुनाव में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरेगी और अंततः सरकार बना लेगी।

मुरैना गोलीकांड के आरोपियों का शॉर्ट एनकाउंटर

■ अंबाह, ईएमएस।

मुरैना के लेपा गांव में 6 लोगों की गोली मारकर हत्या करने वाले दोनों मुख्य आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के समय पुलिस को आरोपियों पर गोली चलानी पड़ी, जिसमें आरोपी अजीत के पैर में गोली लगी। आरोपी भूपेंद्र के सिर में मामूली चोट आई है। अजीत सिंह को पुलिस ने इलाज के लिए मुरैना रेफर किया है। मुठभेड़ मंगलवार सुबह करीब 5 बजे हुई। महुआ थाना प्रभारी ऋषिकेश शर्मा के अनुसार, सुबह करीब 4.15 बजे अजीत सिंह तोमर और भूपेंद्र तोमर चंबल नदी के उसैथ घाट पर थे। इस दौरान पुलिस और आरोपियों का आमना-सामना हुआ। दोनों तरफ से फायरिंग हुई। अजीत सिंह से एक 315 बोर की राइफल, 2 खाली और 1 भरा हुआ कारतूस जब्त किया है।

आज नारी सम्मान योजना लॉन्च करेगी कांग्रेस

■ छिंदवाड़ा, यशभारत।

शिवराज सरकार की 1000 रुपए हर महीने देने वाली लाडली बहना योजना के मुकाबले में मंगलवार को कांग्रेस 'नारी सम्मान योजना' लॉन्च करेगी। छिंदवाड़ा के परासिया में मुख्य कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से होगा। कांग्रेस की स्कीम में 1500 रुपए हर महीने देने का वादा है। घरेलू गैस सिलेंडर 500 रुपए में दिया जाएगा। 'नारी सम्मान योजना' के फॉर्म कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता घर-घर जाकर भरवाएंगे। कांग्रेस का कहना है कि मध्यप्रदेश में सरकार बनने के बाद इस योजना का लाभ महिलाओं को मिलने लगेगा। उन्हें न तो कहीं भटकने की जरूरत है, न कतार में लगने की, रजिस्ट्रेशन फॉर्म घर पर ही भरवाकर रसीद दी जाएगी। कांग्रेस का दावा है कि सरकार आने पर कांग्रेस महिलाओं को सालभर के 18 हजार रुपए (1500 म 12) देगी। सिलेंडर पर सालभर में 7200 (600 में 12) सब्सिडि देगी। -देखे पेज पांच भी

11.19 लाख किसानों का दो हजार 123 करोड़ रुपये का ब्याज माफ करेगी शिवराज सरकार

चुनावी वर्ष में शिवराज सरकार का किसान हित में बड़ा कदम, कैबिनेट में होगा अंतिम निर्णय।

■ भोपाल, यशभारत।

चुनावी वर्ष में शिवराज सरकार किसान हित में बड़ा कदम उठाने जा रही है। 11 लाख 19 हजार किसानों को दो हजार 123 करोड़ रुपये की ब्याज माफी दी जाएगी। इसमें वे किसान भी शामिल हैं, जिन्होंने कर्ज माफी के लिए कमल नाथ सरकार में आवेदन किया था, लेकिन लाभ नहीं मिला।ब्याज माफी का लाभ यह होगा कि ये सभी किसान बिना ब्याज के सहकारी समितियों से ऋण प्राप्त करने के पात्र हो जाएंगे। इन्हें खरीफ फसलों के लिए खाद और बीज मिलने लगेगा। ब्याज माफी की इस योजना पर अंतिम निर्णय आज मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट बैठक में लिया जाएगा। प्रदेश में खेती की लागत घटाने के लिए सरकार साढ़े चार हजार प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को बिना ब्याज का ऋण उपलब्ध कराती है। इसमें नकद राशि और खाद-बीज दिया जाता है। कमल नाथ सरकार ने वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव से पहले जय किसान फसल ऋण माफी योजना की घोषणा की थी। सत्ता में आने पर इसे लागू किया पर किसी भी किसान का दो लाख रुपये तक ऋण माफ नहीं किया गया। किसानों ने ऋण माफी की आस में ऋण जमा नहीं किया और वे अपात्र हो गए। इन्हें समितियों से खाद-बीज मिलना बंद हो गया। इससे किसानों को हो रही परेशानी को देखते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ब्याज माफ करने की घोषणा की थी। इसमें उन 4.40 लाख किसानों को भी शामिल किया गया है, जिनका आवेदन करने के बाद भी ऋण माफ नहीं हुआ था और 31 मार्च 2023 की स्थिति में अपात्र हो गए। इसके अलावा पुराने और नए मिलाकर कुल 11 लाख 19 हजार किसान अपात्र हैं। इन पर तीन हजार 356 करोड़ रुपये मूलधन और दो हजार 123 करोड़ रुपये ब्याज बकाया है। चूंकि, किसान ब्याज की राशि नहीं चुका सकते हैं, इसलिए सरकार ने इसे माफ करने योजना तैयार की है।

'द केरल स्टोरी' के टीम मेंबर को मुंबई में मिली धमकी, 'कहानी दिखाकर अच्छा नहीं किया'

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

धर्मांतरण और युवतियों को जिहाद में धकेलने पर बनी फिल्म 'द केरल स्टोरी' पर विवाद जारी है। ताजा खबर यह है कि फिल्म से जुड़े एक सदस्य को मुंबई में जान से मारने की धमकी मिली है। मामला पुलिस तक पहुंच गया है।मुंबई पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, द केरल स्टोरी फिल्म के निर्देशक सुदीप्तो सेन ने बताया कि क्रू मेंबर्स में से एक को अनजान नंबर से मैसेज मिला च्चर से अकेले बाहर नहीं निकलना है और उन्होंने कहानी दिखाकर अच्छा काम नहीं किया।ज्पुलिस ने उस सदस्य को सुरक्षा प्रदान की लेकिन अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई क्योंकि उन्हें अभी तक लिखित शिकायत नहीं मिली है। इससे पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाल में फिल्म द केरल स्टोरी के प्रदर्शन पर रोक लगा दी है। सभी सिनेमा हाल मालिकों को फिल्म का प्रदर्शन रोकने का आदेश दिया गया है। ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए फिल्म पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस फिल्म में दिखाए गए सभी दृश्य राज्य की शांति व्यवस्था के लिए खतरनाक हो सकते हैं।

नीट एग्जाम के दौरान लड़कियों की ब्रा और पेंटी तक किए गए चेक, खुले में कपड़े बदलने की गई मजबूर

■ मुंबई, एजेंसी।

नीट परीक्षा के दौरान महाराष्ट्र, चंडीगढ़ और पश्चिम बंगाल से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां पर कुछ छात्राओं को ड्रेस बदलने के लिए कहा गया। इतना ही नहीं कुछ छात्राओं की ब्रा उतरवा दी गई तो किसी को इनरवियर को अंदर की जगह टॉप के ऊपर से पहनने को कहा गया। छात्राओं औरउनके पैरेंट्स से इस मामले की शिकायत एनटीए से शिकायत की है। एजेंसी ने रविवार को 2 मिलियन से अधिक उम्मीदवारों के लिए 4,000 से अधिक केंद्रों पर स्नातक राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा 2023 आयोजित की। परीक्षा से पहले एनटीए ने कहा था कि वह परीक्षा केंद्रों पर कर्मचारियों को महिला उम्मीदवारों की तलाशी में शामिल संवेदनशीलता के प्रति सचेत रहने के लिए व्यापक निर्देश जारी करेगी। उम्मीदवारों ने सोशल मीडिया पर यह भी बताया कि किस तरह से उनके कपड़ों के अंदर हाथ डालकर ब्रा की पट्टियों की जांच की गई। तलाशी के लिए उन्हें इनरवियर को खोलने के लिए कहा गया।

कुर्ते उतारकर उल्टे पहनवाए

एक डॉक्टर दंपति ने कहा कि यह उनके ध्यान में आया कि सांगली (कस्तूरबा वालचंद कॉलेज) के एक केंद्र में छात्राओं को उनके कुर्ते उतारने और उन्हें अंदर बाहर पहनने के लिए कहा गया था। इस बात का हमें तब पता चला जब हमारी बेटी ने बाहर आने के बाद इसकी जानकारी दी। यह बिल्कुल अस्वीकार्य है और इस तरह की महत्वपूर्ण परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के साथ व्यवहार करने का कोई तरीका नहीं है। एचएमसी शिक्षा केंद्र, हिंदमोटर, बंगाल से परीक्षा देने वाले एक उम्मीदवार ने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कई उम्मीदवारों को अपनी पैंट बदलने या अपने आंतरिक वस्त्र खोलने के लिए कहा गया।

जींस उतारकर खुले में मां की लेगिंग पहनी

कई छात्राओं ने अपनी जीन्स को अपनी मां की लेगिंग्स के साथ बदला। छात्राओं ने लिखा कि चूंकि केंद्र के आसपास कोई बाड़े या दुकानें नहीं थीं, लड़कियों को लड़कों के साथ एक खुले खेल के मैदान में अपने कपड़े बदलने पड़े। उनके माता-पिता अपने बच्चों को चारों ओर से घेरा और उसके बाद लड़कियों ने कपड़े बदले।

रीवा नहीं जाएगी धान, कटनी में ही होगी मिलिंग, आदेश हुए जारी

सांसद विष्णुदत्त शर्मा के प्रयास, भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया आभार

कटनी, यशभारत। कटनी जिले के मिलर्स को बड़ी राहत सरकार ने देते हुए कटनी जिले की धान की मिलिंग रीवा में कराए जाने के आदेश को निरस्त कर दिया है। इस बावद क्षेत्रीय सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने गत दिवस मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का ध्यान आकर्षित कराया था। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टण्डन ने इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री तथा सांसद का आभार व्यक्त किया है। श्री टण्डन ने जारी आदेश के मुताबिक बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में कटनी जिले में उपार्जित धान की यथाशीघ्र मिलिंग कराये जाने एवं भारतीय खाद्य निगम में केंद्रीय पूल में सीएमआर परिदान किये जाने के दृष्टिगत जिला प्रबंधक कटनी के प्रस्ताव अनुसार कटनी जिलें की धान की रीवा जिले के मिलर्स से अंतरजिला मिलिंग कराये जाने हेतु कटनी एवं रीवा जिले की जिले के अंदर मिलिंग हेतु धान परिवहन की औसत दूरी में से कम, अधिकतम 42 किमी अथवा मिल से वास्तविक दूरी, दोनों में से जो भी कम हो, के आधार पर अनुमति जारी की गई है। राईस मिल एसोसिएशन कटनी द्वारा अनुरोध किया गया था कि कटनी जिलें में प्रति माह 1.50 लाख मी. टन धान की मिलिंग क्षमता है, जिसके मद्देनजर कटनी जिलें में जो शेष धान है, वो केवल 45 कार्य दिवस की है। ऐसे में अंतर जिला मिलिंग न करवा कर कटनी के मिलर्स से ही मिलिंग करवाई जाए उक्ताशय का आग्रह किया गया था। राईस मिल एसोसिएशन कटनी द्वारा किये गये अनुरोध पर विचार करते हुये रीवा जिले के मिलर्स को कटनी जिलें की धान की अंतर जिला मिलिंग हेतु जारी अनुमति निरस्त की की गई। साथ ही जिलें में शेष धान की यथाशीघ्र कटनी में मिलिंग पूर्ण कराकर भारतीय खाद्य निगम में ऑफर मात्रा अनुसार चावल जमा कराया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश जारी हो चुके हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री टण्डन ने कहा कि मिलर्स के लिए सांसद श्री वीडी शर्मा एवं भाजपा के सभी जनप्रतिधि निरंतर संवेदनशील हैं। कटनी जिले के मिलर्स को किसी भी तरह की परेशानी न हो इसके लिए सरकार पूरी तरह वचनबद्ध है। कटनी की धान की रीवा से मिलिंग कराए जाने के अजीबोगरीब फैसले को लेकर कटनी के मिलर्स लंबे समय से विरोध कर रहे थे। सभी जिलों में बराबर मिलिंग हो इस नियम के तहत सरकार ने यह निर्देश दिए थे कटनी पहले की दाल के मामले ऐसे ही एक निर्णय से कटनी के दाल व्यापारियों के लिए मुसीबत का सबब बन चुका है।

हास्य योगा सकरात्मक शक्ति के साथ व्यक्ति को उर्जा देता है

कटनी, यशभारत। हास्य, योग के अनुसार सकारात्मक और शक्तिशाली भावना है जिसमें व्यक्ति को ऊर्जावान और संसार को शांतिपूर्ण बनाने के सभी तत्व उपस्थित रहते हैं ।हर व्यक्ति के अंदर आत्म द्वंद मचा हुआ है ,ऐसे में हंसी दुनियाभर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है। जब व्यक्ति समूह में हंसता है तो यह ऊर्जा पूरे क्षेत्र में फैल जाती है और उसक्षेत्र से नकारात्मक ऊर्जा को हटाती है और व्यक्ति के अंदर से चिंता, तनाव, प्राकृतिक आपदाएं, ग्लोबल वार्मिंग जिससे लोग डिप्रेशन का शिकार होते हैं उसे दूर करती है । सभी परिस्थितियों में खुश रहने का एक ही साधन है वह आपकी हंसी। हंसी दुनिया को एकजुट करती है यह कहना है सिंधी काउंसिलआफ इंडिया की प्रेसिडेंट नीलम जगवानी का जिन्होंने विश्व हास्य दिवस के अवसर पर अपने ग्रुप के साथ लाफ्टर योगा करके जमकर ठहाके लगाए। योगा ट्रेनर वाणी बजाज, विनी गलानी के अनुसार अभी ग्रीष्मकालीन अवकाश में बच्चों के घर पर रहने एवं रिश्तेदारों के आने जाने से महिलाओं की जिम्मेदारी दोहरी हो जाती है । ऐसे में हम सभी यहां पर हास्य योगा से स्वयं को ऊर्जावान एवं तरोताजा महसूस कराने में सभी को सहयोग कर रहे । ग्रुप के सदस्यों में मोना पुरस्वानी, लक्ष्मी इंदु खूबचंदानी, अनीता जोधवानी, कशिश रोहरा, रेशमा पंजवानी, वर्षा, संगीता कविता, तनवानी, पिंकी हीरानी, हेमा, काम्या बजाज, पूनम जशनानी की उपस्थिति रही। अंत में सबने यही कहा कि योगा तो हम रोज करते हैं लेकिन आज हास्य योगा से आज ऐसा लग रहा है कि आसपास का माहौल ही बदल गया। हमारे अंदर एक नई ऊर्जा का संचालन हो गया है।

मित्तल मॉल में भाजपा कल दिखाएगी दि केरला स्टोरी

कटनी, यशभारत । कटनी के मित्तल मॉल में महिलाओं विशेष तौर पर छात्राओं को फिल्म द केरल स्टोरी दिखाई कल बुधवार 10 मई को दिखाई जाएगी। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक टंडन ने बताया कि, स्कूल कालेज की छात्राओं को जागरूक करने के लिए फिल्म दिखाई जाएगी । ये फिल्म एक सजग करने वाला मुद्दा उठा रही है। सामाजिक परिदृश्य को झकझोर देने वाली फिल्म हर वर्ग को जरूर देखनी चाहिए। फिल्म को प्रदेश की संवेदनशील भाजपा सरकार ने टेक्स फ्री करने का निर्णय लिया है ताकि अधिक से अधिक लोग इस फिल्म को देख सकें। इसी उद्देश्स से भारतीय जनता पार्टी जिला कटनी ने इस फिल्म को महिलाओं और विशेष तौर पर युवतियों को दिखाने का निर्णय लिया है। कल प्रातः 10.30 बजे से यह फिल्म मित्तल मॉल में दिखाई जाएगी।

मौसम परिवर्तनः नाक से खून और गले में खरास की बढ़ी समस्या

नाक कान गला रोग विशेषज्ञों के यहां बढ़ी मरीजों की संख्या

कटनी, यशभारत । मौसम में बदलाव का असर अस्पताल की ओपीडी पर भी पड़ा है। इस समय नाक कान गला रोग विभाग की ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। जिला अस्पताल के साथ साथ निजी अस्पतालों और डाक्टरों की डिस्पेंसरी में ईएनटी विभाग की ओपीडी में गले की खरास,जुकाम,खांसी,नाक से खून बहने संबंधी परेशानी लेकर पहुंच रहे हैं। इस वक्त टान्सिल में सूजन की समस्या भी तेजी से बढ़ी है। डाक्टरों का कहना है कि इन समस्याओं के साथ हल्का बुखार भी मरीजों को परेशान किए हुए हैं। जिसमें सुधार होने में कम से कम तीन दिन का वक्त लग रहा है। डाक्टरों का कहना है कि इस समय बिना परामर्श के दवाओं का सेवन मरीज न करें।

कम नींद व अधिक ठंडी चीजें खाने से हो रही परेशानी

ईएनटी विशेषज्ञों कहना है कि इस समय कम नींद लेने से मरीज की रोग प्रतिरोधक क्षमता घटती है। बदलते मौसम में अधिक ठंडी चीजों के खाने से गले में खरास,छाले होना,टान्सिल में सूजन आने की शिकायत आदि बढ़ रही है। इसलिए समय पर सोना और ठंडी चीजों का उपयोग न करना ही सेहत के लिए लाभ दायक है।

नाक से खून और कफ वाली खांसी बनी परेशानी

शहर के ईएनटी विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम में भले ही ठंडक आ चुकी हो। लेकिन इस समय मरीज नाक से खून आने की समस्या लेकर आ रहे हैं। यह समस्या गर्मी के कारण होती जिसमें नाक सूखने लगती है जिससे खून आने का खतरा बढ़ जाता है।

यह रखें सावधानी

-नींद का समय तय करें और कम से कम 6 से 8 घंटे की नींद प्रतिदिन लें।
-घर से भूखे पेट बाहर न निकलें।
-आइसक्रीम,बफ के साथ जूस आदि लेने से बचें।
- ठंडा गर्म खाने में समय का ध्यान रखें और दोंनो के समय में अंतर रखें।
-ठंडी चीजों का सेवन न करें।
-चाय,काफी का अधिक सेवन करने से बचें।

बच्चों को बचाएं इस खतरनाक मौसम से

मई के महीने में तेज गर्म हवा, धूप और पसीने जैसी कई आम समस्याओं का लोग सामना करते हैं, लेकिन बीते दिनों से बारिश ने हैरान जरूर कर दिया है। इस महीने में बारिश ने लोगों को भले ही राहत पहुंचाई हो, लेकिन इससे बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। दरअसल, अचानक से मौसम में बदलाव सेहत और त्वचा दोनों के लिए ठीक नहीं माना जाता है। मौसम की मार बच्चों को ज्यादा प्रभावित करती है. बच्चों को उल्टी, मतली या पेट में दर्द के होने का डर बना रहता है। वैसे मौसम में चेंज से बच्चों में एक गंभीर बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। पीडियाट्रिशियन राजीव बजाज ने बताया कि बदलते मौसम में छोटे बच्चे हेपेटाइटिस का शिकार हो सकते हैं। इस डिजीज में लिवर पर सूजन आ जाती है. इसकी वजह से बच्चों को उल्टी, मतली और भूख में कमी होने लगती है। हेपेटाइटिस एक बैक्टीरियल इंफेक्शन है जो हेपेटाइटिस ए, बी या फिर सी वायरस की वजह से होता है. मौसम में बदलाव होने पर ये बीमारी बच्चों को चपेट में ले सकती है हैपेटाइटिस पांच प्रकार का होता है जिसमें ए, बी, सी, डी और ई शामिल है। एक्सपर्ट कहते हैं कि इसमें बी और सी ज्यादा नुकसान पहुंचाता है. इसमें लीवर के स्वास्थ्य के कमजोर पड़ने से लेकर इसके डैमेज होने का खतरा बन जाता है। बच्चों को इसका टीका लगाकर बचाया जा सकता है, लेकिन बदले हुए मौसम में खानपान का ध्यान न रखने की वजह से भी ये बीमारी चपेट में ले सकती हैं। बारिश के दौरान पालक या दूसरी पत्तेदार सब्जियों में बैक्टीरियल इंफेक्शन बैठ जाता है और इससे हेपेटाइटिस ई से संबंधित समस्याएं हो जाती हैं। बच्चे और बड़े भूल से भी इनका सेवन न करें। इस बीमारी के असर को कम करने के लिए साबुत अनाज का सेवन करना चाहिए। हेपेटाइटिस के रोगियों के लिए साबुत अनाज सबसे हेल्दी फूड है. दलिया, ब्राउन राइस, होल ग्रेन पास्ता या खिचड़ी का सेवन करके सेहत को दुरुस्त किया जा सकता है। वैसे बच्चों को आप राइस के अलावा कॉर्न भी खाने के लिए दे सकते हैं। उन्हें इससे बनी चीजें बहुत पसंद आती हैं।

लाडली बहना सूची में नाम पता करने महिलाएं परेशान

कटनी, यशभारत। कटनी जिले में भी अन्य जिलों की तरह लाडली बहना योजना के लिए आपत्ती दर्ज करने के लिए महिलाओं की भीड़ कही केवायसी तो कहीं बैंक खाते का डीबीटी करने या फिर आधार कार्ड से लिंक करवाने के लिए दिख रही है। कटनी के शहरी क्षेत्र में अनंतिम सूची 1 मई 2023 को जारी की गई है। हालांकि कटनी के शहरी क्षेत्र में एक अनंतिम सूची विगत 3 मई को जारी की गई थी। इस सूची में आवेदन करने वाली बहनों के साथ साथ उनके एकाउंट अर्थात के आधार से लिंक की स्थिति तथा डीबीटी एकाउंट की स्थिति की जानकारी दी गई है। इस सूची में शहर के वार्डों में करीब 20 हजार वार्डों में आवेदन करने वाली महिलाओं के नाम हैं। हालांकि सरकार ने साफ किया है कि 15 मई तक सूची में आपत्तियां दर्ज कराई जा सकती हैं मतलब अगर किसी महिला का नाम सूची में नहीं है तो वह क्यों नहीं है उसके डाक्यूमेंट में क्या जरूरी है आदि को जमा कर दावा किया जा सकता है इसी दावा के कारण शहरी क्षेत्र में महिलाओं की आंगनबाड़ी केंद्रों से लेकर बैंकों और नगर निगम तक पूछ परख जारी है। शहरी क्षेत्र के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी महिलाएं इस सूची के अनुसार अपने डाक्यूमेंट को पूरा करने में जुटी हैं। 15 मई के बाद इस सूची में दर्ज नाम फाइनल माने जाएंगे और 10 जून से खाते में पैसा आना भी शुरू हो जाएगा। सरकार ने कहा कि जारी हुई अनंतिम इस सूची में आपको आपका नाम चेक करना होगा। इस सूची नाम चेक आने के बाद बहनों को योजना का लाभ मिलेगा। इस योजना से मध्यप्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से सहायता मिलेगी, जिससे वे अपने परिवार में अपना आर्थिक योगदान दे पाएंगी। आप आपकी आवेदन संख्या या समग्र आईडी से इसे देख सकते है या आप क्षेत्र की जानकारी से भी इसे देख सकते है। इसके लिए सबसे पहले आपको लाडली बहना योजना की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाएंगे। अब वेबसाइट के होम पेज पर आपको अनंतिम सूची ऑप्शन पर क्लिक करना होगा।अब एक नये पेज पर आपको मोबाइल नंबर और कैप्चा दर्ज करना होगा और ओटीपी प्राप्त करें बटन पर क्लिक करना होगा। इसके बाद ओटीपी दर्ज करने का ऑप्शन आ जाएगा फिर उसमें ओटीपी दर्ज करना होगा और ओटीपी सत्यापित करें और आगे बढ़े बटन पर क्लिक करना होगा।अब एक नया पेज खुलेगा जिसमें आवेदिका की जानकारी दो तरह से देख सकते हैं क्षेत्र वार और व्यक्ति विशेष वार। अगर आप क्षेत्रवार आवेदिका की जानकारी खोजना चाहते है तो आपको जिला, स्थानीय निकाय, ग्राम पंचायत/ ज़ोन, ग्राम/वार्ड चुनना होगा और अनंतिम सूची देखें बटन पर क्लिक करना होगा। अगर आप क्षेत्रवार जानकारी देखते है तो आप अब क्षेत्र की आवेदिकाओं की सूची दिखाई देगी इसमें आपको अपना नाम ढूढ़ना होगा। लाडली बहना योजना की अनंतिम सूची जारी होने के बाद आवेदिका बहने अपनी आपत्ति दर्ज करा सकती है। उन्हें आपत्ति जल्द से जल्द करानी होगी। आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 15 मई तक है।

एक माह तक चलेगा विगढ़ महोत्सव

विजयराघवगढ़ महोत्सव के साथ अलौकिक निर्मल तीर्थ निर्माण की तैयारियों जोरों पर

कटनी, यशभारत। विजयराघवगढ़ में गत दिवस धर्म, संस्कृति, परम्परा का अद्भुत संगम दिखा। विजयराघवगढ़ से कुछ दूर बंजारी में विजयराघवगढ़ महोत्सव के भूमि पूजन अवसर पर श्री श्री 1008 युवराज स्वामी बदरी प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने अपने आशीर्वचन में विधायक संजय पाठक को न सिर्फ आशीर्वाद दिया वरन संजय की कल्पना को दिव्य कल्पना निरूपित करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में विजयराघवगढ़ मध्यप्रदेश ही नहीं देश का अलौकिक तीर्थ और धार्मिक आध्यात्मिक भव्य स्थल बनेगा। जिस क्षेत्र में यह तीर्थ बनने वाला है उसकी तैयारियां प्रारंभ हो चुकी हैं। फिलहाल इस पूरे क्षेत्र का समतलीकरण किया जाएगा। विधायक संजय पाठक इस पर स्वयं नजर रखे हुए हैं। सिर्फ राजा पहाड़ ही नहीं श्री पाठक यहां शुरू होने वाले विजयराघगढ़ महोत्सव की तैयारियों की भी पल पल की जानकारी ले रहे हैं।

दिव्य स्वरूप देने का संकल्प

यह स्थल महानदी और कटनी नदी के संगम से सटे राजा पहाड़ पर भगवान श्री परशुराम की गगनचुंबी अष्टधातु की 108 फीट ऊंची प्रतिमा स्थल के पास होगा। इस स्थान को दिव्य स्वरूप देने का जो संकल्प विधायक संजय पाठक ने लिया है वह क्षेत्र ही नहीं समूचे प्रदेश और देश की सांस्कृतिक विरासत के लिए सुनहरा अध्याय बनने वाला है। श्री पाठक ने इस कल्पना को साकार करने के लिए जन जन के सहयोग की अपेक्षा की है।

नदियों के संगम स्थल प्रयाग जैसा तीर्थ

कल इस अवसर पर विधायक संजय पाठक ने जिस अनुपम संकल्प के बारे में जानकारी दी जिसे सुनकर कोई भी रोमांचित हो जाएगा। कटनी से 35 किलोमीटर दूर ऐतिहासिक विरासत को संजोए विजयराघवगढ़ के नदियों के संगम स्थल प्रयाग जैसे तीर्थ क्षेत्र में अगले एक वर्ष में जो कार्य होने की कल्पना का संकल्प लिया गया है वह अद्वितीय है।

रोपवे के साथ क्रूज चलाने के लिए योजना

तीर्थ क्षेत्र को देश के भव्य पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की प्लानिंग के तहत रोपवे भी बनाया जाएगा। नदी के संगम के साथ विशाल समुद्र का अहसास कराने महानदी की विशाल जलधारा पर बड़ी नाव अर्थात क्रूज़ चलाने की योजना को सार्थक किया जाएगा। जिसमे लगभग 200 लोग नौका विहार कर सकेंगे।

लाइट साउंड शो, लेज़र लाइट शो, सहित कई मनोरंजन साधन

परम्परा के इस अविस्मरणीय निर्वहन के साथ आज के भौतिक युग मे यहां आने वाले पर्यटकों को विश्वस्तरीय सुविधा उपलब्ध कराने रिसॉर्ट होगा, रेस्टॉरेंट होंगे। आगन्तुकों को वैज्ञानिक सुंदरता का बोध कराते लाइट साउंड शो, लेज़र लाइट शो, सहित कई मनोरंजन के साधन निर्मित किये जायेंगे।

श्रद्धालुओं पर्यटको को सुविधा और साधन

श्रद्धालुओं पर्यटको को यहां सुविधा और साधन की कमी न हो लिहाजा लोगों के ठहरने के लिए सुविधायुक्त धर्मशाला होगी। किसी बड़े आयोजन या व्यक्तिगत आयोजन के लिए बारात घर होग। सर्व सुविधाओं से परिपूर्ण मैरिज गार्डन जिसमे करीब 100 कमरे सहित सन्तों के रुकने के लिए कई कुटिया होंगी। इस स्थल को देश के अनूठे धार्मिक आध्यात्मिक क्षेत्र बनाने के लिए लोगों को बैठने बड़े बड़े लॉन बनाये जाएंगे। स्थल को बच्चों के मनोरंजन हेतु रोमांचक झूले होंगे ऐम्पिथिएटर होगा।

हैलीपैड, और वीआईपी रेस्टहाउस बनेगा

वीआइपी / बड़े राजनेता और उद्योगपतियों के आने जाने के लिए हैलीपैड होगा, उनके रुकने के लिए अलग से वीआईपी रेस्टहाउस होगा के निर्माण का संकल्प लिया गया है। आगंतुकों के लिए बहुत ही सस्ते में भोजनालय होगा ज़रूरतमन्द के लिए निःशुल्क भोजन मिलेगा। इस सब से न सिर्फ कटनी जिले का नाम पूरे देश मे रौशन होगा वरन सैकड़ो क्षेत्रीय लोगो को रोज़गार भी मिलेगा। इस अनुपम स्थल पर सुविधाओं एवं निर्माण की अभी ये प्रारंभिक योजना है। विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने कहा कि पूज्य पिताजी श्री सत्येंद्र पाठक, पूज्य गुरुदेव पंडित देवप्रभाकर शास्त्री दद्दा जी और क्षेत्र के हजारों बुजुर्ग जनों के आशीर्वाद से यह सतत चलने वाली प्रारंभिक कल्पना है। इस योजना को लगातार विस्तारीत रूप दिया जाएगा।

राजा पहाड़ के विहंगम स्थल पर विश्व की सबसे ऊँची गगनचुंबी भगवान श्री परशुराम जी की प्रतिमा के साथ इन मंदिरों का निर्माण होगा

राजा पहाड़ के विहंगम स्थल पर विश्व की सबसे ऊँची गगनचुंबी भगवान श्री परशुराम जी की प्रतिमा स्थापित होगी। यही नही अयोध्या में बन रहे विराट श्री राम के मन्दिर के जैसा ही छोटा मंदिर का निर्माण भी होगा। राममय के साथ भगवान श्री कृष्ण के विराट स्वरूप की प्रतिमा दर्शनीय रहेगी। देवों में देव बड़ादेव महादेव की प्रतिमा जन जन के लिए अद्वितीय होगी। माता के भक्तों को माता रानी के 9 स्वरूपो का मंदिर श्रद्धा आस्था और भक्ति की पराकाष्ठा पार करेगी। धर्म संस्क्रति के साथ साथ राष्ट्रभक्ति की मिशाल भी इस अनुपम तीर्थ क्षेत्र में जनाकर्षण का केंद्र बनेगी। यहां भारत माता का भी अदभुत मंदिर बनेगा। भगवान के विविध स्वरूपों के साथ साथ भगवान के उन सेवक भक्तों का दर्शन भी स्थल पर होगा जिनका महत्व भगवान के साथ भक्त के रूप में हम जैसे सेवकों के लिए मिशाल हैं। इस स्थल पर निषादराज जी, शबरी माता का मंदिर का निर्माण किया जाएगा। इन सबके साथ भगवान विष्णु के 10 अवतार का मंदिर बनाने का संकल्प पूर्ण किया जाएगा।

यश भारत
क्लासीफाइड (वर्गीकृत विज्ञापन)
•आवश्यकता • प्रापर्टी • लोन • मकान•
• दुकान/आफिस खरीदना बेचना •
•ज्योतिष • शिक्षण • ट्रेवल्स व अन्य•
1 माह Rs.1000/- | 15 दिन Rs.1200/- | 7 दिन Rs.500/- | 3 दिन Rs.250/- | 1 दिन Rs.150/-
व्यवसाय बढ़ायें-समाधान पायें यशभारत के साथ
भवन नामांतरण | आम सूचना | इश्तहार | गुमशुदा | नाम सुधार | जन्मदिन
बुकिंग हेतु संपर्क करें मो. : 9425362893, 8839684296
e-mail : katni@yasshbharat.com

आप तक आपका प्रिय अखबार यश भारत
नहीं पहुंच रहा हो तो हमें शीघ्र सूचित करें
फोन- 230033, मो. 9425362893, 8839684296
कार्यालय:- कचहरी चौक, कटनी

राज्य के बाद अब केन्द्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण पर निगाहें

मई के आखिरी या जून के पहले सप्ताह में हो सकता है सर्वेक्षण, सिटीजन फीडबैक के लिए लोगों के पास आ रहे फोन

कटनी, यशभारत। राज्य स्तरीय स्वच्छता सर्वेक्षण में जिले के तीन नगरीय निकायों नगर निगम कटनी, नगर परिषद कैमोर एवं नगर परिषद विजयराघवगढ़ ने प्रथम व द्वितीय रैंकिंग हासिल करते हुए प्रदेश में कटनी जिले का नाम रोशन किया है। राज्य स्तरीय स्वच्छता सर्वेक्षण के बाद केन्द्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए दिल्ली से आने वाली केन्द्रीय टीम का इंतजार किया जा रहा है। वैसे तो केन्द्रीय सर्वेक्षण हर साल जनवरी से मार्च महीने के बीच कभी भी हो जाता था, लेकिन इस बार इस सर्वेक्षण में देरी हो गई है। राज्य स्तरीय स्वच्छता सर्वेक्षण में जिले को मिली अच्छी रैंकिंग के बाद अब केन्द्रीय सर्वेक्षण पर निगाहें टिकी हुई हैं। यदि इसमे भी अच्छी रैंकिंग होती है तो विकास कार्यों के लिए कटनी जिले को बड़ी राशि मिलेगी, इससे मूलभूत सुविधाओं के साथ ही विकास के काम कराए जाएंगे।

अच्छी रैंकिंग के लिए नगर निगम प्रशासन ने शुरू किए प्रयास, सफाई पर फोकस

यश भारत
खबर विशेष

स्वच्छता सर्वेक्षण में इस बार काफी देर हो गई है। हर बार जनवरी, फरवरी या फिर मार्च में सर्वेक्षण के लिए दिल्ली से टीम आ जाती थी, लेकिन इस बार मई का महीना आ गया है, इसके बाद भी भी टीम का कुछ अता-पता नहीं है। नगर निगम के सूत्र बताते हैं कि टीम के अधिकारी कभी भी कटनी आकर सर्वे कर सकते हैं और इसकी जानकारी तक किसी को नहीं रहती। फीडबैक भी लिया जा रहा है। केन्द्रीय सर्वेक्षण के लिए नगर निगम प्रशासन ने प्रयास शुरू कर दिए हैं। राज्य स्तरीय सर्वेक्षण में मिली अच्छी रैंकिंग के बाद अब सफाई पर फोकस किया जा रहा है। केंद्र सरकार ने इस बार सर्वेक्षण में काफी बदलाव किया है। सर्वेक्षण चार चरणों में होगा। इस बार सिटीजन फीडबैक सबसे पहले लिए ज रहा है। इससे पहले अंतिम चरण में सिटीजन फीडबैक लिया जाता था। सिटीजन फीडबैक के लिए लोगों के पास फोन आ रहे हैं। शहरवासियों को क्या सुविधा मिल रही है, यह भी पूछा जाएगा। इस बार नया यह है कि सीवरेज के पानी का ट्रीटमेंट हो रहा है या नहीं, इसके भी अंक निर्धारित किए गए हैं लेकिन कटनी नगर निगम की बात करें तो अभी तक यहां सीवर लाइन का काम ही पूरा नहीं हो पाया है, इसलिए इसके अंक कटनी नगर निगम को नहीं मिलेंगे।

बदहाली छिपाने की कोशिश, प्लास्टिक मुक्त अभियान चलेगा

स्वच्छता सर्वेक्षण में शहर को सुंदर दिखाने के लिए नगर निगम ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। बदहाली छिपाने की कोशिश की जा रही है। सड़कों को चकाचक किया जा रहा है। रंग-रोंगन के साथ ही सफाई पर विशेष जोर दिया जा रहा है। नगर निगम प्रशासन की कोशिश है कि पिछले सालों की तुलना में इस साल रैंकिंग में सुधार हो। राज्य के सर्वे में मिली अच्छी रैंकिंग के बाद अब केन्द्रीय सर्वेक्षण में भी अच्छी रैंकिंग प्राप्त करने के लिए प्रयास होगा।

इस बार ज्यादा अंकों का होगा सर्वेक्षण

इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण पिछले वर्षों की तुलना में थोड़ा अलग होगा। इस बार कई नए बिंदु तय किए गए हैं, वहीं सर्वेक्षण के अंक भी ज्यादा रहेंगे। सर्वेक्षण 9500 अंकों का होगा। पहले सर्वेक्षण 7500 अंकों का होात था। इस बार दो हजार अंक बढ़ा दिए गए हैं। सर्वेक्षण में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने, शहर को रेड स्पॉट पान-गुटके की पिक खत्म करने, स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता, होटलों में थ्री-आर प्रतियोगिता जैसे बिंदुओं को शामिल किया गया है। इन सभी पर नगर निगम काम रहा है। शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाना व वायु प्रदूषण मुक्त करना नगर निगम के लिए इस बार सबसे बड़ा टास्क है। उधर सर्वेक्षण में इस बार वेस्ट प्रोसेसिंग फेसेलिटी का दो बार फील्ड सर्वे किया जाना तय किया गया है। इसमें से एक सर्वे दिसंबर में हो चुका है। दूसरा सर्वे जब टीम सर्वेक्षण के लिए आएगी तब किया जाएगा।

इनका कहना है

राज्य स्तरीय स्वच्छता सर्वेक्षण में कटनी जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अब केन्द्रीय सर्वेक्षण को लेकर भी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस बार यह सर्वेक्षण देर से हो रहा है, हालांकि केन्द्रीय टीम द्वारा लोगों से मोबाइल के माध्यम से समय-समय पर फीडबैक लिया जा रहा है। इस सर्वेक्षण में कई चीजों को शामिल किया जाता है। केन्द्रीय सर्वेक्षण के लिए नगर निगम प्रशासन द्वारा लोगों से शहर को स्वच्छ बनाने की अपील की जा रही है। इसी के साथ अगले कुछ दिनों में प्लास्टिक मुक्त अभियान शुरू किया जा रहा है। संभावना है कि इस बार मई के आखिरी या जून के पहले हफ्ते में सर्वेक्षण होगा।

-आदेश जैन, नोडल अधिकारी, स्वच्छता सर्वेक्षण

राज्य स्तरीय स्वच्छ सर्वेक्षण में जिले ने फहराया परचम

नगर निगम कटनी प्रदेश में दूसरे तो कैमोर व विजयराघवगढ़ पहले स्थान पर

कटनी, यशभारत। नगरीय निकायों की अक्टूबर से दिसंबर 2022 तक की त्रैमासिक स्वच्छ सर्वेक्षण रैंकिंग में कटनी जिले के 5 नगरीय निकायों ने अलग-अलग श्रेणी में उत्कृष्ट उपलब्धियों के आधार पर प्रथम व द्वितीय रैंकिंग हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी की गई रैंकिंग में नगर निगम कटनी ने प्रदेश में द्वितीय और नगर परिषद कैमोर व नगर परिषद विजयराघवगढ़ ने प्रदेश में प्रथम स्थान अर्जित किया है। इसके लिए तीनों नगरीय निकायों को नगरीय स्वच्छता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। नगर निगम कटनी को 10 लाख से कम जनसंख्या वर्ग में प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। इसके लिए 11 लाख रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की गई है। नगर परिषदों की श्रेणी में 10 हजार से अधिक आबादी वाले वर्ग में नगर परिषद कैमोर को प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल करने पर 8 लाख रुपए एवं 10 हजार से कम जनसंख्या वाले नगर परिषदों की श्रेणी में विजयराघवगढ़ नगर परिषद को प्रदेश में प्रथम स्थान अर्जित करने परर 10 लाख रुपए की पुरस्कार राशि से सम्मानित हुई है।

स्वच्छ सर्वेक्षण

इनका कहना है

यह राशि नगरीय निकाय के खाते में प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान की गई है। इस राशि का उपयोग नगरीय निकाय जन अभियानों, सूचना, शिक्षा एवं संप्रेषण गतिविधियों के साथ सफाई मित्रों, नागरिकों और भागीदारों को प्रोत्साहन आदि के लिए कर सकेंगे। इसके पहले मई-जुलाई 2022 की त्रैमासिक रैंकिंग में नगरीय निकायों को प्रदेश स्तर पर सम्मान राशि नहीं प्राप्त हुई थी।

-हिमांशु कुमार सिंह, उप मिशन संचालक स्वच्छ भारत मिशन

कलेक्टर ने जताई खुशी, नगरीय निकायों की टीम की सराहना

कलेक्टर अवि प्रसाद ने स्वच्छ सर्वेक्षण में जिले के तीन नगरीय निकायों के .बेहतर प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त करते हुए बधाई दी है। उन्होंने स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए प्रयासों के लिए जनता और नगरीय निकायों की टीम की सराहना की है। कलेक्टर ने कहा है कि यह उपलब्धि स्वच्छता के पूर्ण लक्ष्यों को हासिल करने की दृष्टि से प्रेरणादायक साबित होगी। बढ़े हौसलों के संकल्प के साथ स्वच्छता की कार्य संस्कृति को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। कलेक्टर ने कहा है कि नगर निगम कटनी, नगर परिषद कैमोर और नगर परिषद विजयराघवगढ़ की जनता और शासकीय अमले द्वारा स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य प्रशंसनीय हैं।

मुड़वारा स्टेशन : स्टैंड से डस्टबिन गायब

यह चित्र मुड़वारा रेलवे स्टेशन का है, जहां सफाई को लेकर संबंधित विभाग की लापरवाही सामने आ रही है। यहां प्लेटफार्म पर स्टैंड तो लगा हुआ है लेकिन डस्टबिन गायब हैं। जिससे स्वच्छता पर प्रश्नचिन्ह लग रहा है। जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा भी इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

फर्जी तरीके से राशि आहरण एवं भुगतान मामले की होगी विभागीय जांच

कटनी, यशभारत।

कलेक्टर अवि प्रसाद ने फर्जी तरीके से राशि का आहरण एवं भुगतान मामले में उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ आर के सिंह के विरुद्ध विभागीय जांच की कार्यवाही करने संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग को पत्र लिखा है। कलेक्टर द्वारा संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग को लिखे पत्र में कहा गया है कि उपसंचालक पशु पालन के कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड. 3 आलोक चौरसिया द्वारा फर्जी हस्ताक्षर कर तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के स्वत्वों के भुगतान की राशि अपने निजी खाते में जमा किया गया। जिला स्तरीय जांच समिति ने अपने प्रतिवेदन में कूट रचित दस्तावेजों के आधार पर आलोक चौरसिया द्वारा 8 लाख 80 हजार 340 रुपए का फर्जी तरीके से आहरण किया जाना पाया था। इस मामले में श्री चौरसिया के विरुद्ध प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है। मामले के संबंध में कलेक्टर ने उपसंचालक डॉ आर के सिंह से जवाब तलब किया था।। इस संबंध में डॉण् सिंह द्वारा प्रस्तुत जवाब को कलेक्टर ने समाधान कारक नहीं माना क्योंकि संबंधित सहायक ग्रेड 3 आलोक चौरसिया द्वारा फर्जी आहरण एवं भुगतान के समय आहरण एवं संवितरण अधिकारी का दायित्व डॉण् सिंह संभाल रहे थे। ऐसे में आहरण एवं संवितरण अधिकारी के रूप में पदस्थ रहे डॉण् आर के सिंह द्वारा लापरवाही व शासकीय पदीय दायित्वों के निर्वहन में शिथिलता बरती गई। इन स्थितियों के मद्देनजर कलेक्टर ने उपसंचालक डॉ आर के सिंह के विरुद्ध विभागीय जांच संस्थित करने संचालक पशुपालन एवं डेयरी को पत्र लिखा है।

पशुपालन विभाग के उप संचालक के विरुद्ध कार्यवाही को लेकर लिखा पत्र

13 को कटनी आएंगे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह

कटनी, यशभारत। नवंबर में होने जा रहे विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा, कांग्रेस सहित अन्य दलों की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का कटनी दौरा कार्यक्रम तय हुआ है। सूत्रों के मुताबिक श्री सिंह 13 मई की रात कटनी पहुंचेंगे। 14 मई को सुबह कांग्रेसजनों से मुलाकात करेंगे। इसके उपरांत पत्रकारों से भेंट करेंगे, साथ ही बस स्टैंड ऑडिटोरियम में कांग्रेस के मंडलम सेक्टर की बैठक भी लेंगे।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला कटनी (म0प्र0)

पत्र क्रमांक 795 / खनिज / 2022 — कटनी, दिनांक 01/05/2023

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1–क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा / पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए.

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक मेसर्स / श्री / श्रीराम मार्बल, निवासी आजाद चौक गाटरघाट रोड कटनी जिला कटनी (नाम एवं पता) द्वारा उत्खनिपट्टा / पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 15.03.2021 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना क्रमांक 472 दिनांक 16.03.2023 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः विज्ञापन प्रकाशित होने से 15 दिवस तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा / पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकवा	भूमि का प्रकार शासकीय / निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
कटनी	स्लीमनाबाद	उमरिया	91	8.620	शासकीय भूमि	मार्बल	
			कुल रकबा	8.620			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुए 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम,1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यह प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

G-12633/23

प्रभारी अधिकारी (खनिज शाखा) जिला कटनी

बाकल में कई सालों से की जा रही स्थायी बस स्टैंड की मांग

कटनी, यशभारत। राज्य सरकार की योजनाएं ग्रामों के विकास में धरातल तक मूर्तरूप ले सके, इसके लिए ग्राम सरकार बनी है। जो गांव के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करती है, लेकिन बहोरीबंद विकासखंड की ग्राम पंचायत बाकल में स्थाई बस स्टैंड और यात्री प्रतिक्षालय बनाने की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है, यात्री प्रतिक्षालय नहीं बनने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 1957 में बाकल ग्राम पंचायत अस्तित्व में आई। अब तक 9 सरपंचों का कार्यकाल बीत चुका है। वर्तमान में बाकल में करीब 7 हजार से अधिक की आबादी है। लोगों का कहना है कि यहां केवल जनसंख्या बढ़ रही है। सुविधाएं नहीं।

9 सरपंचों का बीता कार्यकाल, किसी ने भी नहीं किए प्रयास, परेशान हो रहे मुसाफिर

चुनाव के दौरान प्रत्याशियों ने जनता से जो वादे किए पर वह सिर्फ चुनावी जुमला साबित हुआ। बाकल में स्थाई बस स्टैंड की वर्षों से मांग चली आ रही है, पर अभी तक किसी जिम्मेदार ने इसे पूरा करने की जहमत नहीं उठाई। रोड पर जल्दबाजी में सवारी के उतरने चढ़ने से हादसों का डर बना रहता है। यहां बस संचालकों को भी बस खड़ा करने कई तरह की समस्या आ रही है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि स्थाई बस स्टैंड और यात्री प्रतीक्षालय नहीं होने के कारण यात्रियों को धूप में खड़े होकर बसों का इंतजार करना पड़ रहा हैं। सड़क किनारे बने अघोषित बस स्टैंड से करीब 30 से 35 से अधिक बसों को संचालन प्रतिदिन कटनी, दमोह, जबलपुर, बहोरीबंद, मझौली की ओर किया जाता है। इसके बावजूद यात्रियों की सुविधाओं के लिए यात्री प्रतीक्षालय का निर्माण नहीं कराया जा रहा हैं, जो यात्री प्रतीक्षालय है वह भी जीर्ण शीर्ण स्थिति में है। स्थानीय लोगों ने जन प्रतिनिधियों से कईयों बार यात्री प्रतीक्षालय की मांग की, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिससे मुसाफिर परेशान हो रहे हैं।

किराए से देना है

एक रूम 12 बाय 15 अटैच 3000/- प्रति व्यक्ति, एक हॉल 22 बाय 50 कार्यालय, दुकान एवं गोदाम के किराए से देना है।

संपर्क-8109417340

आवश्यकता है

शोरूम में कार्य करने के लिए सेल्सगर्ल (लड़कियों) की आवश्यकता है। अनुभवी एवं पढ़ी लिखी लड़कियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

संपर्क- शकुंतला ग्रेनाईट एण्ड टाईल्स
समय-सुबह 11 से 7 बजे तक
मो. 9009767272

संक्रमण रोकने कराया जा रहा दवा का छिड़काव

विजयराघवगढ़ मुख्य मार्ग, मॉडल रोड से बंजारी स्टेडियम तक दौड़ी फॉगिंग मशीन

विजयराघवगढ़, यशभारत। मौसम के बदलाव के साथ ही संक्रमण का खतरा मंडराने लगता है। खास तौर पर मच्छर अधिक मात्रा में पनपने लगते हैं, जिससे मलेरिया आदि बीमारियों का अंदेशा भी बना रहता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए विजयराघवगढ़ नगर परिषद द्वारा लगातार दवा का छिड़काव कराया जा रहा है। नगर परिषद अध्यक्ष वसुधा मनीष मिश्रा ने सीएमओ रामावतार पटेल का ध्यान इस ओर आकर्षित कराया था। इसी कड़ी में नगर परिषद द्वारा फागिंग मशीन से दवा मलेरिया ऑयल नामक दवा का छिड़काव नगर के मुख्य मार्ग, माडल रोड और बंजारी स्टेडियम के समीप कराया गया। संक्रमण रोकने के लिए फॉगिंग मशीन से दवा का छिड़काव किया जा रहा है, जो कि बीमारियों को रोकने लिए कारगर माना जाता है। नगर परिषद अध्यक्ष वसुधा मिश्रा ने बताया कि नगर के विभिन्न वार्डों में साफ सफाई कराने के साथ ही लगातार दवा का छिड़काव कराया जा रहा है। दवा छिड़काव कार्य मे स्वछता प्रभारी सुरेंद्र शर्मा, शेख राजू, बाबा त्रिपाठी, सफाई दरोगा नवीन कुमार द्वारा नगर में संक्रमण नष्ट करने मलेरिया आयल दवा छिड़काव करा रहे हैं।

सिटी मॉल बरही रोड में
ऑल इंडिया रिलीज

05 मई से
रोजाना 4 शो
12.30 PM (AUDI-2)
03.30 PM (AUDI-2)
06.30 PM (AUDI-2)
09.30 PM (AUDI-2)

PRICE LABLE
RECLINER....300
GOLD.....200
Silver.....150

द केरला स्टोरी

कलाकार- अदा शर्मा, योगिता बिहानी, सोनिया बालानी आदि।

Tickets Available on Book My Show
बुकिंग के लिए संपर्क करें- 07622-422402

सिटी मॉल बरही रोड में
ऑल इंडिया रिलीज

05 मई से
रोजाना 4 शो
01.00 PM-2D (AUDI-1)
0 4.00 PM-3D (AUDI-1)
07.00 PM-3D (AUDI-1)
10.00 PM-2D (AUDI-1)

GAURDIANS OF THE GALAXY VOL-3 (HINDI)

PRICE LABLE
GOLD.....200
PLATINUM ...250
Silver.....150

Tickets Available on Book My Show
बुकिंग के लिए संपर्क करें- 07622-422402

दुनिया को अपने जख्म मत दिखाते फिरना। दुनिया बड़ी जालिम है।तुम्हारे दुखों को रो रो कर पूछेगी और जमाने को हंस हंस कर बताएगी। सुखी जीवन का एक ही फार्मूला है कि जीवन में कभी सुख आए तो हंस लेना और दुख आए तो हंसकर उड़ा देना। सुख और दुख पारिवारिक सदस्य नहीं हैं मेहमान हैं और मेहमानों का क्या? उनका आना जाना तो लगा ही रहता है।

-मुनिश्री तरुण सागर

संपादकीय

जलता मणिपुर, सुलगते सवाल

भारत का पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर इन दिनों जल रहा है. यहां बीते कई दिनों से हो रही हिंसा में अभी तक 54 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है. राज्य में स्थिति को बिगड़ता देख केंद्र ने अतिरिक्त सुरक्षा बलों को मणिपुर के लिए भेजा है. सेना और पैरामिलिट्री के 10 हजार से ज्यादा जवानों की तैनाती के बाद यहां हिंसक घटनाओं में थोड़ी कमी जरूर आई है। हिंसाग्रस्त क्षेत्रों से नागरिकों को निकालने का ऑपरेशन जारी है। सुरक्षा बलों ने सोमवार को भी कुछ देर के लिए कर्फ्यू में ढील दी है। लोग जरूरी सामान खरीदते नजर आए। लोगों को निकालने के लिए महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश ने स्पेशल फ्लाइट्स चलाई हैं। इसके अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और उत्तराखंड की सरकारों ने भी रेक्स्यू के लिए कदम उठाए हैं। लेकिन इन सब के बीच सवाल ये उठता है कि आखिर ऐसी कौन सी वजह है जिसके कारण यहां के लोग लगातार विरोध कर रहे हैं और हिंसा तक करने पर उतारू हैं. हिंसा की वजह से मणिपुर में हालात इतने खराब है कि ऐहतियातन सरकार ने पूरे मणिपुर में इंटरनेट बंद करने का फैसला लिया है, साथ ही हिंसा करने वालों को देखते ही गोली मारने का भी आदेश दिया जा चुका है। वैसे तो मणिपुर पूरे अप्रैल में सुलगता रहा, लेकिन राष्ट्रीय मीडिया ने उसकी खबर नहीं ली। जब बीते हफ्ते वहां हिंसा की आग भड़क उठी, तब सबका ध्यान उस ओर गया। जबकि वहां जो हिंसा देखने को मिली है, उसकी जड़ तो मार्च में ही पड़ चुकी थी। राज्य के बहुसंख्यक मैतेयी और आदिवासी समुदाय के बीच तनाव की जड़ें पुरानी है। मार्च में हा हाईकोर्ट के एक फैसले ने इस तनाव को और बढ़ा दिया। गैर-आदिवासी मैतेयी समुदाय की आबादी राज्य में करीब 53 फीसदी है। यह समुदाय लंबे अरसे से अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग कर रहा है। मैतेयी समुदाय की दलील है कि अनुसूचित जनजाति का दर्जा मिलने के बाद वे लोग राज्य के पर्वतीय इलाकों में जमीन खरीद सकेंगे। फिलहाल वे लोग मैदानी इलाकों में तो जमीन खरीद सकते हैं, लेकिन पर्वतीय इलाको में जमीन खरीदने का उनको अधिकार नहीं है। आदिवासी समुदाय उसकी इस मांग का विरोध करता रहा है। आदिवासी संगठनों का कहना है कि ऐसा होने पर मैतेयी समुदाय उसकी जमीन और संसाधनों पर कब्जा कर लेगा। आदिवासी संगठनों को चिंता है कि अगर मैतेयी समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा मिल गया को सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों से आदिवासियों को वंचित होना पड़ेगा। राज्य की कुल आबादी में 40 फीसदी आदिवासी हैं। इनमें नागा और कुकी समुदाय भी शामिल है। जाहिर है, इस सारे विवाद की जड़ में पहचान की राजनीति और उस सियासत से जुड़े फायदे हैं। लेकिन ऐसी राजनीति में विभिन्न समुदायों के बीच टकराव खड़ा होना लाजिमी होता है। फिलहाल, उसका ही एक नतीजा मणिपुर में देखने को मिला है। उचित ही भाजपा की राजनीति सामुदायिक पहचान केंद्रित राजनीति को इस हाल के लिए एक हद तक जिम्मेदार माना गया है। आरोप है कि पार्टी चुनाव के समय तो तमाम आदिवासी संगठनों के नेताओं को दिल्ली बुलाकर उनसे ऊंचे वादे करती हैं। लेकिन चुनाव बाद उन्हें अपने हाल पर छोड़ दिया जाता है। उससे आदिवासी नाराज रहे हैं। हाई कोर्ट के निर्णय के बाद वो नाराजगी उबल पड़ी है।मणिपुर पिछले कुछ दिनों की हिंसा के बाद उबरने की कोशिश कर रहा है. स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं है. लेकिन मणिपुर के बाहर के लोगों के लिए इस हिंसा की वजहों को समझना भी आसान नहीं है।

बिलावल को आईना दिखाया भारत ने

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी लंबे समयतक भूलेंगे नहीं अपनी हालिया भारत यात्रा को। वे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में भाग लेने के लिए भारत आए थे। उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें भारत की तरफ से किसी राष्ट्राध्यक्ष की तरह का सम्मान मिलेगा। पर बिलावल भुट्टो को भारत साफतौर पर जताना चाहता था कि भारत उनसे नाराज है क्योंकि उन्होंने कुछ समय पहले न्यूयार्क में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ऊँ पर अत्यंत अशोभनीय टिप्पणी की थी। उनकी तब भारत में चौतरफा निंदा भी हुई थी। दरअसल भारत तब ही से उनसे खफा था। बिलावल गोवा में आए। वे चाहते थे कि उनकी भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से अलग से बात हो जाए। पर भारतीय विदेश मंत्री ने उन्हें घास नहीं दी। भारत जानता है कि पाकिस्तान के पैरे के नीचे जमीन नहीं है। वह मुंबई हमलों के गुनाहगारों को दंड देने के मामले पर बात नहीं करेगा, उसे अपने देश में आतंकवादियों की फैक्ट्री को खत्म करने में कोई दिलचस्पी नहीं है और उसने वहां पर धार्मिक अल्पसंख्यकों की लगातार हो रही हत्याओं पर चर्चा करना भी गवारा नहीं होगा।

एस. जयशंकर ने सम्मेलन में पाकिस्तान को साफ बता दिया कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक अभिन्न अंग था, है और रहेगा। देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की तरह जम्मू-कश्मीर में भी जी-20 की बैठकें हो रही हैं, इसमें कुछ भी असामान्य नहीं है। यानी भारत एससीओ सम्मेलन क बहाने अपने अगले-पिछले बदलने लेने के मूड में था। एस.जयशंकर ने तो बिलावल से हाथ तक नहीं मिलाया। मिलाते भी क्यों उस शख्स से जो भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री पर ओछी टिप्पणी कर रहा था।

4 मई को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के अन्य सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के लिए भव्य भोज का आयोजन किया। इसके साथ ही समूह के दो दिवसीय सम्मेलन की शुरुआत हुई।बेनौलिम में समुद्र के किनारे ताज एक्सोटिका रिसॉर्ट में आयोजित स्वागत समारोह में चीनी विदेश मंत्री छिन कांग, रूस के सर्गेई लावरोव और बिलावल भुट्टो जरदारी, उज्बेकिस्तान के बख्तियार सैदोव, एससीओ महासचिव झांग मिंग वगैरह ने भी भाग लिया। यहां भी हमारे विदेश मंत्री ने बिलावल भुट्टो को नजरअंदाज ही कर दिया। दरअसल, करीब 12 साल बाद किसी पाकिस्तानी विदेश मंत्री की भारत यात्रा है। उनसे पहले हिना रब्बानी खार ने 2011 में शांति वार्ता के लिए पाकिस्तान की विदेश मंत्री के रूप में भारत की यात्रा की थी।

हालांकि एसएससीओ के मंच से कोई द्विपक्षीय मुद्दे नहीं उठाए जाते, पर भारत की तरफ से कतई कोशिश नहीं हुई कि धूर्त पड़ोसी के साथ द्विपक्षीय मुद्दों को सुलझाने की बाबत कोई पहल हो। कारण बहुत साफ है। पाकिस्तान सुधरने का नाम ही नहीं लेता। वहां का अवाम आजकल मंहगाई के कारण दाने-दाने को मोहताज है। पर पाकिस्तान नहीं सुधरेगा। पाकिस्तान के नेताओं को मर्यादित भाषा में अपनी बात रखने की तमीज ही नहीं है। पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार में गृह और रेल मंत्री शेख राशिद और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री फवाद चौधरी जेल भी भारत और हिन्दू धर्म के खिलाफ जहर उगलते थे। शेख राशिद बेहद हल्के इंसान हैं। उनकी हरेक प्रेस कॉफ्रेंस को देखकर उनके गटर छाप इंसान होने का अंदाजा लग जाता है। वे या तो नवाज शरीफ या शहबाज को कोस रहे होते हैं या वे जरदारी और उनके पुत्र बिलावल भुट्टो को पाकिस्तान के ताजा खराब हालात के लिए दोष दे रहे होते हैं। यहां तो तो ठीक है कि वे अपने राजनीतिक विरोधियों पर अनावश्यक वार करते हैं। उन्हें अपने देश के कठमुल्लों के बीच इसलिए सम्मान मिलता रहा है, क्योंकि वे भारत को परमाणु युद्ध की धमकी देते रहते हैं। अपने को दिलीप कुमार तथा रेखा का फैन बताने वाले शेख राशिद यहां तक कह चुके हैं कि उनके देश के पास रखे परमाणु हथियार भारत के खिलाफ इस्तेमाल हो सकते हैं। इस्तेमाल इस तरह से होंगे ताकि भारत में रहने वाले मुसलमान बच जाएं।

शेख राशिद कहते थे कि हमारे पास 250-250 ग्राम के न्यूक्लियर हथियार हैं, हम जहां चाहे गिरा सकते हैं। पाकिस्तान को डरने की क्या जरूरत है। इसके साथ ही वो कहा करते थे कि भारत को ऐसा सबक सिखाएंगे कि भारत के सारे मंदिरों की घंटियां बंद हो जाएंगी। घोर अवसरवादी राशिद एक जमाने में जुल्फिकार अली भुट्टो से लेकर नवाज शरीफ के करीबी रहे भी हैं। फवाद चौधरी भी शेख राशिद की तरह ही भारत विरोधी हैं। वे भी भारत की तरक्की से जलते-भुनते रहे हैं। जब राफेल लड़ाकू विमान को सौंपे जाने से पहले पूजा हुई तो फवाद चौधरी ने पूजा का मजाक उड़ाया। दरअसल पाकिस्तान के डीएनए में भारत और हिन्दुओं का विरोध करना है। इसलिए भारत के कई कूटनीति के जानकारों को हैरानी नहीं हुई थी जब बिलावल भुट्टो ने बकवास की थी। पर 2014 के बाद भारत की विदेश नीति बदल चुकी है। अब उसके तेवर और फ्लेवर रक्षात्मक नहीं रहे। अब दोस्ती का जवाब गले मिलकर दिया जाता है और कटुता का जवाब उसी कटु जुबान में दिया जाता है। जाहिर है, उसी नीति पर चलते हुए भारत ने बिलावल भुट्टो को घास नहीं डाली।

इस बीच, यह भी सच है कि एससीओ सदस्यों के बीच आपसी विवाद भी हैं। उदाहरण के रूप में भारत और चीन के बीच सीमा विवाद लंबे समय से चल ही रहा है। पर साथ ही आपसी कारोबार भी जारी है। दोनों मुल्कों का आपसी व्यापार 100 अरब रुपये तक होने को है। आतंकवाद को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद है। भारत बार-बार पाकिस्तान से कहता रहा है कि वह आतंकवाद को खत्म करे। पर पकिस्तान नहीं सुनता। इसलिए वह तेजी से बर्बाद भी हो रहा है। सीमा विवाद किर्गिस्तान और ताजिकिस्तान के बीच भी है। एससीओ के आठ सदस्य देश दुनिया की आबादी का लगभग 42त्न और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 25त्न प्रतिनिधित्व करते हैं। इस क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं जिसे एससीओ देशों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर बढ़ावा दिया जा सकता है। भारत चाहेगा कि वह पाकिस्तान को छोड़कर एससीओ के शेष सदस्यों के साथ मिलकर पर्यटन और बाकी क्षेत्रों में काम करे। पाकिस्तान के साथ तालमेल करने का सवाल ही नहीं है। भारत अपने पड़ोसी को कई बार आजमा चुका है। वहां से कोई सकारात्मक बदलाव की संभावना नहीं है। पाकिस्तान के नेतृत्व और अवाम को अपन खुद के बुरे-भले का पता ही नहीं है। इसलिए उससे अब मित्रता की बात करना व्यर्थ ही होगा।

आर.के. सिन्हा

गुणवत्ता से ही जीवन में उत्कृष्टता संभव

एक पत्रिका मेरे सम्मुख है जिसके कवर पर एक विज्ञापन छपा है– गुणवत्ता के साथ समझौता न करें, आईएसआई मार्क वाली वस्तुऐं खरीदें। विज्ञापन में उपभोक्ताओं को उत्तम गुणवत्ता वाली वस्तुएं ही खरीदने की सलाह दी गई है जो बिल्कुल ठीक है। लेकिन विज्ञापन में वर्तनी संबंधी एक त्रुटि भी दृष्टिगोचर होती है। वस्तुऐं की बजाय सही स्पैलिंग है - वस्तुएं। वस्तुओं की गुणवत्ता के साथ-साथ भाषा की गुणवत्ता का भी ध्यान रखा जाये तो कितना अच्छा हो। पर क्या मात्र भाषा या वर्तनी की शुद्धता अथवा गुणवत्ता से वस्तुओं अथवा व्यक्ति के विचारों की गुणवत्ता संभव है?

जहां तक भाषा की बात है, भाषा हमारे विचारों की वाहक होती है अतः विचारों की गुणवत्ता का बहुत महत्व होता है। यद्यपि भाषा की शुद्धता में वर्तनी का भी पर्याप्त महत्व है लेकिन विचार-भाव भाषा की आत्मा होते हैं। इसलिए वस्तुओं ही नहीं, विचारों -भावों की गुणवत्ता के साथ भी समझौता न करें। विचारों अथवा भावों की गुणवत्ता से कर्म की गुणवत्ता तथा कर्म की गुणवत्ता से वस्तुओं अथवा उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखना संभव है। जिस प्रकारउत्पादों की गुणवत्ता उत्पादक के विचारों-भावों से ही नियंत्रित होती है, उसी तरह व्यक्ति के व्यवहार -व्यक्तित्व की गुणवत्ता भी विचारों-भावों से ही नियंत्रित होती है।जब कोई अशिष्टता से पेश आता है तो हम अंग्रेजी का जुमला इस्तेमाल में लाते हैं- माइंड योर लैंग्वेज। पर क्या भाषा पर नियंत्रण द्वारा हम अपनी मनोदशा या व्यवहार बदल सकते हैं? यदि बाहरी दबाव से ऐसा किया जाता है तो वो कुछ समय के लिए संभव है लेकिन स्थायी रूप से नहीं। भाषा हमारे भावों अथवा विचारों की बाह्य अभिव्यक्ति होती है। यदि हम भाषा पर पूर्ण नियंत्रण कर पाते हैं तो इसका सीधा अर्थ है कि हमने अपने विचारों पर भी नियंत्रण कर लिया है जो वास्तव में मन पर नियंत्रण द्वारा ही संभव है। इस प्रकार का नियंत्रण ही महत्वपूर्ण होता है क्योंकि वो स्थायी होता है। जैसा हम चाहते हैं या जो अच्छा है वो मन के स्तर पर होना चाहिए। उसमें मन की स्वीकृति होनी चाहिए।जिस प्रकार अपनी पसंद के सुंदर फूल पाने के लिए उन फूलों के पौधों के बीज बोना संभव है, उसी प्रकार अच्छे जीवन के निर्माण के लिए अच्छे कर्म करना और अच्छे कर्म करने को अच्छे विचारों का विकास करना भी संभव है।

विचारों का उद्‌गम है मन। मन पर नियंत्रण द्वारा हम गलत विचारों पर रोक लगा सकते हैं तथा अच्छे विचार भर सकते हैं। यदि जीवन रूपी बगिया रंगों से सराबोर करनी है तथा महकानी है तो मन रूपी बगिया में अच्छे विचार-बीज बोइए, सकारात्मक सोच के पौधे लगाइए।प्रायः कहा जाता है कि पुरुषार्थ से ही कार्य सिद्ध होते हैं, मन की इच्छा से नहीं। बिलकुल ठीक बात है लेकिन मनुष्य पुरुषार्थ कब करता है? पहली बात, मन की इच्छा के बिना पुरुषार्थ असंभव है। मनुष्य में पुरुषार्थ या हिम्मत अथवा प्रयास करने की इच्छा भी भाव से ही उत्पन्न होती है और सभी भाव मन द्वारा उत्पन्न-संचालित होते हैं। अतः मन की उचित दशा अथवा सकारात्मक विचार ही पुरुषार्थ को संभव बनाते हैं। मन में उत्पन्न होने वाले प्रेरणास्पद भाव ही पुरुषार्थ के लिए उत्प्रेरक तत्व का कार्य करते हैं। यदि मन ही साहस, स्फूर्ति व सफलता प्राप्त करने की कामना से रहित हो तो कुछ भी संभव नहीं।सफलता पूर्ण रूप से पुरुषार्थ पर नहीं, मन की इच्छा पर निर्भर है। इच्छाएं ही हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं, लेकिन संतुलित सकारात्मक इच्छाएं क्योंकि जैसी इच्छा वैसा परिणाम। कुछ लोग इच्छाओं के त्याग की बात करते हैं लेकिन इच्छाओं के अभाव में हम एक दम भी आगे नहीं बढ़ा सकते। आज हम जो हैं अपनी इच्छाओं के कारण हैं। यदि हम अच्छी स्थिति में नहीं हैं तो हमें अपनी इच्छाएं बदलनी होंगी। उत्तम गुणवत्ता वाले विचारों का चयन सीखना होगा।हम सही विचारों का चयन करना सीखें ये इच्छा रखना भी अनिवार्य है। स्वास्थ्य विषयक सकारात्मक विचार आरोग्य प्रदान करेंगे तथा समृद्धि के प्रति विश्वास के विचार समृद्धि देंगे। कुछ लोग केवल भौतिक सुख-समृद्धि चाहते हैं। उनको ये सब मिलता भी है लेकिन वास्तविक सुख-संतुष्टि नहीं। जीवन में संतुष्टि की कामना करेंगे तो संतुष्टि भी मिलेगी। संतुष्टि के सामने मात्र भौतिक सुख और समृद्धि विशेष महत्व नहीं रखते। अतः मन को संतुलित सकारात्मक विचारों से ओतप्रोत रखना ही श्रेयस्कर है और यही अभीष्ट भी। आईएसआई मार्क वाली वस्तुएं ही नहीं, हमारे भाव भी आईएसआई मार्क वाले हों तभी जीवन में उत्कृष्टता का सही समावेश संभव है।

-सीताराम गुप्ता

आपका राशिफल 10 मई

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय समान्य रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। यात्रा योग हैं। शुभांक-5-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-2-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। कार्य सफल होगें। शुभांक-4-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-3-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। शुद्ध गोचर का लाभ। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ के किये कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। स्त्री का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। शुभांक-2-4-6

फिल्म वर्ग पहेली - 6158

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, माधुरी की 'सात सुरों के [illegible]' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चांदी की साइकल' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-२
५. अक्षय, करिश्मा की '[illegible]' गीत वाली फिल्म-३
७. नसीरुद्दीनशाह, जैकी, नग्मा, शिल्पा की एक फिल्म-२
८. फिल्म 'जाल' की नायिका कौन थी-२
९. 'आयेगा आनेवाला' गीत वाली अशोककुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१०. फिल्म 'हीरा पन्ना' में देव आनंद के किरदार का नाम क्या था-२
११. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली शाहरुख, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१३. जैकी श्रॉफ, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
१५. दक्षिण की फिल्म '[illegible]' किस भाषा में बनी थी?-३
१७. 'वीरु' 'जय' और 'बसंती' आदि किस सुपर हिट फिल्म के पात्र है-२
१८. 'दिल है प्यारे जरा' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'अनकही' के गीत 'आँखों में अनजाने' का गायक कौन है-२
२०. 'आते आते तेरी याद' गीत वाली [illegible], अनिता की फिल्म-२,१,२
२२. अमिताभ, जीनत की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-२
२३. फिल्म 'सलाखें' में नायक कौन था-२
२४. '[illegible]' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-२
२६. गीत 'दिल के अरमां आँसुओं में' की नायिका कौन है-३
२८. 'काट दिये नाम सब' गीत वाली फिल्म-३
२९. फिल्म 'रॉकी' की नायिका कौन थी-२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की '[illegible]' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'सजना के सामने मैं तो' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अजय देवगन, आयशा जुल्का, करिश्मा कपूर की 'बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो' गीत वाली फिल्म-३
२. 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरुद्दीन शाह, सोनू वालिया, फराह, एकता की फिल्म-४
४. अशोक, प्रदीप, मीना कुमारी की 'दिल जो कह न सका' गीत वाली फिल्म-२,२
६. 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
११. विश्वजीत, माला की 'रोकना है अगर रोक लीजे मगर' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'मुर्गी ने झूठ बोला' गीत वाली किशोरकुमार, साधना की फिल्म-४
१४. कंवलजीत, वहीदा की 'तुम अपना रंजोगम' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'गुरु' में नायक कौन था-३
१७. मनोजकुमार, नंदा, जया की 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'सावन बरसता है तुझसे मिलने को' गीत वाली मिथुन, मीनाक्षी की फिल्म-४
२०. जीतेंद्र, रीना राय की 'तेरे हाथों में पहनाके चूड़ियां' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी की फिल्म-३
२४. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'पानी पानी रे खारे पानी रे' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 6157

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 6672

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6671 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

Summer में किसी संजीवनी बूटी से कम नहीं पुदीने की चटनी, कई रोग होते है दूर

पुदीने की पत्तियों में एडाप्टोजेन गुण होते हैं जो गर्मियों के दौरान शरीर को ठंडा करने में मदद करते हैं। ऐसे में स्वाद का टेस्ट बढ़ाने के लिए चटनी की अगर बात की जाए तो गर्मी में पुदीने की चटनी खाने की सलाह सभी देते हैं। क्योंकि पुदीने की तासीर ठंडी होती है जो पेट के लिए काफी फायदेमंद होती है तो चलिए आज आपको पुदीने की चटनी के फायदे बताते हैं।

खांसी-जुकाम से राहत

पुदीने में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाया जाता है जो खांसी-जुकाम जैसी परेशानी को दूर करने में प्रभावी होता है। साथ ही यह इम्यूनिटी को बूस्ट करने में आपकी मदद कर सकता है। अगर आप रोजाना पुदीने की चटनी खाते हैं तो आपके शरीर में बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ सकती है।

सूजन को कम करने में सहायक

रोजाना इसका सेवन करने से आपको सूजन से छुटकारा मिलेगा। इतना ही नहीं भूख को बढ़ानेऔर आपके द्वारा खाए जा रहे भोजन के स्वाद में सुधार करता है।

मतली से मिलता है छुटकारा

पुदीने की पत्तियों में एक ताजा सुगंध होती है जो मतली से छुटकारा पाने में मदद करती है। वहीं दूसरी ओर आयरन की कमी से एनीमिया होता है, और धनिया और पुदीने की चटनी का सेवन ऐसे मामलों में भी आयरन की मात्रा के लिए मदद करता है।

यश भारत

क्लासीफाइड (वर्गीकृत विज्ञापन)

• आवश्यकता • प्रापर्टी • लोन • मकान • दुकान/आफिस खरीदना बेचना • ज्योतिष • शिक्षण • ट्रेवल्स व अन्य •

1 माह	15 दिन	7 दिन	3 दिन	1 दिन
Rs.1800/-	Rs.1200/-	Rs.500/-	Rs.250/-	Rs.150/-

व्यवसाय बढ़ायें-समाधान पायें यशभारत के साथ

भवन नामांतरण | आम सूचना | इश्तहार | गुमशुदा | नाम सुधार | जन्मदिन

बुकिंग हेतु संपर्क करें मो. : 9407348995, 9425160507
e-mail : jabalpur@yasshbharat.com

क्लासीफाइड

प्लाट एवं मकान उपलब्ध

शहर के मध्य अधारताल अमखेरा में धनी की कुटिया से मात्र 2 किमी अंदर सुशीला परिसर में टीएनसीपी रेरा एपूण्ड आवासीय कालोनी में प्लाट एवं मकान उपलब्ध सभी बैंकों से फाइनेंस आरसीसी रोड गार्डन झूले सुरक्षित कैम्पस।
संपर्क : संदीप गुप्ता
8770310159, 9826133675

बेचना है

विजयनगर अहिंसा चौक की चाय साय बार की फ्रैन्चाइजी सामान सहित जिसमें डीप फ्रीजर,काफी मशीन, टोस्टर, फ्रायर, स्टूल, एस.बीआर कैमरा और फर्नीचर इत्यादि देना है।
संपर्क : 8085720560, 94254, 12908
(3 मई)

शब्द पहेली - 7718

बाएँ से दाएँ

1. कंठ, गला-3
3. पक्षियों का शोर-4
5. शारीरिक ऊँचाई-2
6. पाचन शक्ति-3
7. मां की माता-2
8. प्यार, प्रेम (अंग्रेजी-2)
10. रचना करने वाला-5
12. शोरबा, तरी-3
15. खाद्य सामग्री-3
17. दोनों हाथों को पीटना-5
20. भाग्य (अंग्रेजी-2)
22. कदली, एक फल-2
23. उपासना, शीश झुकाना-3
24. घ्राणेन्द्रिय, नासिका-2
25. तहखाना-4
26. दया-3

ऊपर से नीचे

1. मर्यादा, सीमा-2
2. कहानी लिखने वाला-5
3. अचरज भरा कार्य-3
4. वर, इच्छित वस्तु देना-4
5. जलजला-3
7. मां के पिता-2
9. चिकनाई-2
11. हशीश, एक प्रकार का मादक पदार्थ-3
13. बोलने का तरीका-3
14. तमोजवाला-5
15. परंपरा, रिवाज-4
16. राजनीतिक पार्टी-2
18. आफत, मुसीबत-2
19. नाट्य, कथा मंचन-3
21. कमी-3
24. संबोधन-2

शब्द पहेली - 7717 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

मध्य प्रदेश में रेत नीति तैयार सरकार की सहमति का इंतजार

कीमत बढ़ाने पर रहेगी रोक

■ भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश में इसी साल से नई रेत नीति लागू होनी है। खनिज साधन विभाग ने नीति तैयार कर ली है, जो कैबिनेट की सहमति के लिए भेजी गई है। नई नीति में रेत की कीमत नियंत्रण के प्रयास किए गए हैं। इसमें प्रविधान किया है कि ठेकेदार रेत की कीमत नहीं बढ़ाएंगे। वहीं उन्हें ठेके की आधी राशि अग्रिम जमा करनी होगी। अब तक उन्हें 25 प्रतिशत राशि जमा करनी पड़ती थी। बता दें कि वर्षाकाल के बाद प्रदेश में नई रेत नीति के अनुसार खदानें नीलाम की जाएंगी। कमल नाथ सरकार ने वर्ष 2019 में रेत नीति बनाई थी, जिससे रेत खदानों से मिलने वाले राजस्व में छह गुना वृद्धि हुई थी, जो खदानें ढाई सौ करोड़ में नीलाम होती रही थीं, वे 2019 में 1500 करोड़ में नीलाम हुई। हालांकि ठेकेदार ठेके की राशि खदानों से नहीं निकाल पाए और करीब 18 जिलों की खदानें ठेकेदारों ने छोड़ दीं या मासिक किस्त जमा न करने के कारण खनिज विभाग ने

ठेके समाप्त कर दिए। नई रेत नीति में तहसील स्तर पर समूह बनाकर खदानें नीलाम करने का प्रविधान किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि ज्यादा ठेकेदार खदानें ले सकेंगे, किसी एक पर बोझ नहीं पड़ेगा, तो राजस्व भी बढ़ेगा। इससे खदानें पूरी अवधि चल सकेंगी। नई नीति में तीन साल के लिए खदानें नीलाम करने का प्रविधान है। सरकार इस अवधि को दो साल बढ़ा भी सकेगी।

विभाग लेगा अनुमति

इन खदानों को शुरू करने के लिए पर्यावरण और उत्खनन की अनुमति जरूरी है। यह काम अब ठेकेदार नहीं करेंगे, क्योंकि कई ठेकेदार ठेके की अवधि समाप्त होने तक अनुमति नहीं ले पाते हैं। इस बार से यह अनुमति खनिज विभाग लेगा। ठेकेदार को सभी अनुमतियों के साथ खदानें सौंपी जाएंगी। यदि ठेका दिया जा चुका है और अनुमति लेने में देरी होती है तो जितनी देरी होगी, उतना अतिरिक्त समय ठेकेदार को दिया जाएगा। मध्य प्रदेश में मेडिसिन विशेषज्ञ वाले सभी सिविल अस्पतालों में होगी डायलिसिसभोपाल (राज्य ब्यूरो)। मध्य प्रदेश में डायलिसिस सेवाओं में विस्तार की तैयारी है। मेडिसिन विशेषज्ञ वाले सभी सिविल अस्पतालों में भी इसकी सुविधा मिलेगी। अभी सिर्फ सात सिविल अस्पताल समेत सभी जिला अस्पतालों में डायलिसिस की जा रही है। जिला अस्पतालों में भी मशीनों की संख्या बढ़ाई जा रही है। अभी प्रदेश में लगभग डेढ़ सौ मशीनें हैं, जिन्हें बढ़ाकर इस वर्ष 310 किया जाएगा।

सीएम शिवराज की चेतावनी भ्रष्ट आचरण सहन नहीं करेंगे

■ भोपाल, यशभारत।

भ्रष्ट आचरण किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा। जिन अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायतें हैं, उन पर तेजी से कार्रवाई करें। जिन मामलों में जांच पूरी हो चुकी है, उनमें दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। यह निर्देश मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को अभियोजन के मामलों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरकार की भ्रष्टाचार के मुद्दे पर जीरो टालरेंस की नीति है और इसके पालन में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जिन के विरुद्ध अभियोजन की स्वीकृति लंबित हैं, उनका तत्परता के साथ निराकरण किया जाए। 15 जून के बाद विभागों द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी के लिए फिर बैठक करेंगे।

यदि विभाग किसी प्रकरण में दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने में विलंब करता है तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि 15 मार्च 2023 से अब तक 75 प्रकरणों में 119 दोषी अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध अभियोजन की स्वीकृति दी गई है।

इसमें सर्वाधिक स्वीकृति पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने 23, राजस्व ने 12, नगरीय विकास एवं आवास ने नौ, स्वास्थ्य ने आठ, गृह और कृषि विभाग ने छह-छह और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने चार प्रकरणों में दी गई है। बैठक में मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

11 मई को मंदसौर में होगा महिला सम्मेलन

मुख्यमंत्री ने आगामी सप्ताह में विभिन्न जिलों में होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। 11 मई को मंदसौर में महिला सम्मेलन और सूक्ष्म वृहद परियोजना का भूमिपूजन होगा। 12 मई को भोपाल के लाल परेड मैदान पर गोरक्षा संकल्प सम्मेलन और प्रदेश के सभी विकासखंडों में चार सौ पशु एवं मवेशी एंबुलेंस का लोकार्पण किया जाएगा।

मप्र में श्रीरामचरित मानस का दार्शनिक चिंतन पढ़ सकेंगे विद्यार्थी

■ भोपाल, यशभारत।

प्रदेशभर के कालेजों में नए सत्र से स्नातक (यूजी) तृतीय वर्ष में हिंदी साहित्य और दर्शनशास्त्र के विद्यार्थी श्रीरामचरित मानस का दार्शनिक चिंतन व आधुनिक भारतीय महान विभूतियों का जीवन दर्शन पढ़ सकेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रमों में बदलाव किया गया है। पाठ्यक्रमों को सामान्य वैकल्पिक विषयों के कला संकाय में जोड़ा गया है। पाठ्यक्रम तैयार कर लिए गए हैं। उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर इन्हें अपलोड भी कर दिया गया है। दर्शनशास्त्र में विद्यार्थी को कठोपनिषद में यम नचिकेता संवाद, मनुस्मृति में मानव धर्म, भागवतपुराण में न्याय एवं परहित की

भावना, रामायण में श्रीराम भरत संवाद एवं महाभारत में मोक्ष धर्म प्रकरण, श्रीमद् भगवतगीता का आध्यात्मिक मानवतावाद, जैन एवं बौद्ध दर्शन पढ़ने को मिलेगा। वहीं हिंदी साहित्य में रामचरित मानस को शामिल किया गया है। इसमें जीवन मूल्य, संवेदना, सामाजिक दृष्टिकोण, लोक व नगरीय संस्कृति को समझने का मौका मिलेगा। इसके अलावा आधुनिक भारतीय महान विभूतियों में राजा राममोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती, आर्य समाज की स्थापना, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, पंडित मदन मोहन मालवीय, बाल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर, पूर्व राष्ट्रपति डा. राधाकृष्णन, डा. भीमराव आंबेडकर सहित अन्य विभूतियों के व्यक्तित्व व कृतित्व को पढ़ने का मौका मिलेगा। उच्च शिक्षा विभाग के विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी धीरेंद्र शुक्ला ने बताया कि स्नातक तृतीय वर्ष में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत कुछ नए पाठ्यक्रम जोड़े गए हैं। इससे व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण, श्रीरामचरित मानस, आधुनिक भारतीय विभूतियों के जीवन दर्शन से विद्यार्थी परिचित होंगे।

ट्रेन की चपेट में आने से चचेरे भाइयों की मौत

■ भोपाल, यशभारत।

सूखीसेवनिया के रेलवे ट्रैक टोल नाका के पास रविवार दोपहर ट्रेन की चपेट में आने से चचेरे भाइयों की मौत हो गई। घटना के समय वह परिचितों से खाना खाने का कहकर निकले थे। प्रथम दृष्टया मामला हादसे से जुड़ा नजर आ रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिए है। सोमवार को शवों का पीएम कराने के बाद परिजन को सौंपा जाएगा। थाना प्रभारी वीबीएस सेंगर ने बताया कि राजू गौड़ (25) और मुकेश सिंह (22) गांव टपरा, थाना मेघवास, जिला विदिशा के रहने वाले थे। दोनों चचेरे भाई थे और सूखीसेवनिया टोल नाके के पास ईंट भट्टे पर रहकर प्रजापति के ईंट भट्टे पर काम कर रहे थे। उनके साथ तीन दर्जन अन्य मजदूर भी भट्टे के पास टपरा बनाकर रह रहे थे। रविवार छुट्टी होने के कारण राजू और मुकेश ने दिन में पार्टी की और खाना खाने का कहकर निकले थे। इसके बाद उनके शव दोपहर करीब तीन बजे के आसपास टोल नाका रेलवे ट्रैक पर मिले।

विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए कांग्रेस ने राष्ट्रीय सचिवों को दिए जिलों के प्रभार

■ भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही विभिन्न दलों ने अपनी तैयारियां भी आरंभ कर दी हैं।कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देने के लिए अपने राष्ट्रीय सचिवों को जिलों का प्रभार दिया है। जानकारी के अनुसार ये सचिव जिलों का प्रवास करके वहां कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे और मतदान केंद्र स्तर पर सहयोगी संगठनों की तैयारियों की समीक्षा करके प्रतिवेदन प्रभारी महासचिव जयप्रकाश अग्रवाल और प्रदेश कांग्रेस कमेटी को देंगे। कुलदीप इन्दौरा- भोपाल, इंदौर, उज्जैन, धार, रतलाम, मंदसौर, नीमच, रायसेन, विदिशा और सीहोर।

संजय कपूर- जबलपुर, मंडला, डिंडौरी, बालाघाट, अनूपपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा, होशंगाबाद, नरसिंहपुर, बैतूल, सीधी, सिंगरौली, शहडोल और उमरिया।

सीपी मित्तल- टीकमगढ़, निवाड़ी, छतरपुर, सागर, दमोह, पन्ना, कटनी, सतना और रीवा।

शिव भाटिया- श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोक नगर और राजगढ़।

संजय दत्त- खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, आलीराजपुर, झाबुआ, हरदा, देवास, शाजापुर और आगर मालवा।

नारी सम्मान योजना के आज से आवेदन भरवाएगी कांग्रेस

भोपाल यशभारत। मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर नारी सम्मान योजना लागू की जाएगी। इसमें महिलाओं को डेढ़ हजार रुपये प्रतिमाह और पांच सौ रुपये में रसोई गैस सिलिंडर दिए जाने का वादा कांग्रेस कर रही है। इसके लिए आवेदन पत्र भरवाने की शुरुआत नौ मई से पूरे प्रदेश में एक साथ की जाएगी।इसका शुभारंभ छिंदवाड़ा जिले के परासिया विधानसभा क्षेत्र से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करेंगे। सभी जिला मुख्यालयों पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की पत्रकारवार्ता होगी। प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारियों ने बताया कि नारी सम्मान योजना के आवेदन तैयार कर लिए गए हैं।इसमें आवेदनकर्ता का नाम, आधार नंबर, समग्र आइडी, आयु, जन्मतिथि, वर्ग, विधानसभा क्षेत्र, ग्राम पंचायत या वार्ड, पंजीयन करने वाले का नाम और मोबाइल नंबर लिया जाएगा। आवेदनकर्ता को इसकी पावती भी दी जाएगी। इसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ की ओर से वचन दिया जाएगा।

भाजपा में मेल-मुलाकात का दौर, प्रदेश अध्यक्ष से मिले पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा

■ भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव की घड़ी जैसे-जैसे पास आती जा रही है, मेल-मुलाकात को दौर भी तेज हो गया है। लंबे समय से उपेक्षा के कारण नाराज बताए जा रहे नेताओं से भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा चर्चा की जा रही है। रविवार को पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा ने भोपाल में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब आधे घंटे तक बंद कमरे में चर्चा हुई।अनूप मिश्रा 2013 का विधानसभा चुनाव हार गए थे। पार्टी ने उन्हें वर्ष 2014 में मुरैना से लोकसभा चुनाव लड़ाया और वे निर्वाचित हुए।हालांकि, वर्ष 2018 में भितरवार सीट से फिर विधानसभा चुनाव लड़ा और हार गए।तब से ही उपेक्षित चल रहे हैं। पिछले दिनों उन्होंने फिर विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। इस पर निर्णय तो बाद में होगा पर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डा. गोविन्द सिंह ने उन्हें कांग्रेस में शामिल होने का सुझाव दिया। रविवार को वे भोपाल पहुंचे और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष से मुलाकात की। इस सौजन्य मुलाकात बताया जा रहा है पर सूत्रों का कहना है कि वर्तमान राजनीतिक स्थितियों को लेकर चर्चा हुई।पूर्व विधायक सत्यनारायण सत्तन ने एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुलाकात की।

पुलिस की चौकसी के बीच तीन स्थानों के ताले तोड़कर दो लाख की चोरी

भोपाल, ईएमएस। राजधानी में 24 घंटे में एक बार फिर एक दुकान और दो सूने मकानों के ताले तोड़कर दो लाख का सामान चोरी कर लिया गया। पुलिस ने सभी मामलों में चोरी की एफआइआर दर्ज कर ली है। पुलिस के मुताबिक बागसेवनिया के अमराई परिसर में रहने वाले जयनाथ विश्वकर्मा निजी काम करते हैं, वह किसी काम से बाहर गए थे। इस दौरान अज्ञात आरोपितों ने उनके मकान के ताले तोड़कर चोरी की वारदात कर एक लाख का सामान चुराकर फरार हो गए।बाद में जब वह घर पहुंचे तो घर का बिखरा सामान देखकर वह समझ गए कि चोरी हो गई। बाद में सामान चेक करने के बाद उन्होंने थाने में एफआइआर दर्ज कराई। इसी तरह से पुराने शहर के गौतम नगर थाना क्षेत्र के करीब बख्श कालोनी में रहने वाले समीर खान कारोबारी है।उनके घर मकान के छत जाली तासेड़कर बदमाशों ने प्रवेश किया और सामान चुराकर फरार हो गए। वह चोरी गए सामान की सही कीमत की जानकारी जुटा रहे हैं। इस तरह से रातीबड़ के नीलबढ़ पान मसाला की दुकान का ताला तोड़कर अज्ञात बदमाशों ने दस हजार का सामान चुरा लिया। बाद में जब दुकान का मालिक दुकान खालने पहुंचा ,तब उसने दुकान के ताले टूटे देखें।

25 लाख रुपये बढ़ेगा विधायकों का स्वेच्छानुदान अनुपूरक बजट में होगा प्रावधान

■ भोपाल, यशभारत।

प्रदेश में विधायकों को प्रतिवर्ष 25 लाख रुपये अतिरिक्त स्वेच्छानुदान राशि मिलेगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा विधानसभा के बजट सत्र की घोषणा की पूर्ति के लिए विधानसभा के मानसून सत्र में प्रस्तुत होने वाले प्रथम अनुपूरक बजट में इसका प्रविधान किया जाएगा। अभी जिलों को स्वेच्छानुदान के 50 लाख और निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि ढाई करोड़ रुपये आवंटित की गई है।

योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग ने सभी जिलों को वर्तमान प्रविधान के अनुसार निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि और स्वेच्छानुदान की राशि आवंटित की है।

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि बजट प्रविधान पहले हो गया था और घोषणा बाद में हुई है। अब उसे प्रक्रिया में लेकर प्रविधान किया जाएगा।

विधायकों की मांग के अनुरूप इस बार एक बार में वर्षभर का बजट आवंटन दे दिया गया है, ताकि वे अपनी सुविधा के अनुसार निर्धारित राशि का उपयोग कर सकें।उधर, वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा की अध्यक्षता में हुई विधानसभा की समिति की बैठक में निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि और स्वेच्छानुदान के उपयोग में संशोधन के जिन प्रस्तावों पर सहमति बनी थी, उसका कार्यवाही विवरण तैयार हो गया है। विभाग द्वारा जल्द ही आदेश निकाले जाएंगे। उधर, भाजपा विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया ने आयुक्त आर्थिक सांख्यिकी को पत्र लिखकर स्वेच्छानुदान को लेकर स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा है, ताकि जनप्रतिनिधि उसके अनुरूप अपनी निधि से कार्यों को स्वीकृति दे सकें। विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह का कहना है कि सदन में हुई घोषणा का क्रियान्वयन करने की जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होती है। अधिकृत कार्यवाही विवरण में घोषणा का उल्लेख रहता है और अधिकारी दीर्घा में उपस्थित अधिकारी भी घोषणा रिकार्ड कर क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हैं। आश्वासन की पूर्ति न होने पर सदस्य आश्वासन समिति के संज्ञान में मामला लाते हैं और फिर संबंधित विभाग से पूछताछ होती है।

तेंदुआ प्रबंधन की रणनीति बनाएगा मध्य प्रदेश, विशेषज्ञों से लेगा सलाह

■ भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश बाघ ही नहीं चीता और तेंदुआ स्टेट भी है। यहां बाघ आकलन-2018 में देश में सबसे अधिक 3421 तेंदुआ पाए गए हैं, पर उनकी मौत का आंकड़ा भी उतना ही ब?ा है। पिछले साल प्रदेश में 66 तेंदुओं की मौत हुई है। इनमें से 20 का शिकार हुआ है।

तेंदुओं की मौत के लगातार बढ़ते ग्राफ ने वन अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है। अब तेंदुआ प्रबंधन के लिए रणनीति बनाई जा रही है। शिकार और दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों को रोकने के लिए विशेषज्ञों (पूर्व वन अधिकारियों) से सलाह ली जाएगी। बाघों की तुलना में प्रदेश में तेंदुओं की हर साल अधिक मौत होती है। वर्ष 2021 में 46 की मौत हुई थी, जिसमें से 22 का शिकार हुआ था। 2022 में मौत का आंकड़ा बढ़कर 66 पहुंच गया। इस स्थिति के चलते तेंदुओं की सुरक्षा को लेकर वन अधिकारी सतर्क हुए हैं। क्योंकि बाघ आकलन-2022 के प्रारंभिक रुझान बताते हैं कि प्रदेश में तेंदुओं की संख्या चार हजार के पार जाएगी। यदि अब भी रणनीति बनाकर काम नहीं किया, तो मौत का ग्राफ बढ़ेगा। वन अधिकारियों की चिंता का बड़ा कारण तेंदुओं का शिकार है। जिसे प्रभावी तरीके से रोकने के लिए प्रविधान किया जाएगा। रणनीति तैयार होने के बाद राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) को भी भेजी जाएगी, जरूरत पड़ने पर बजट भी मांगा जाएगा।

तेंदुआ मित्र पर होगा काम

जानकार बताते हैं कि जैसे कूनो नेशनल पार्क में चीतों की सुरक्षा के लिए पार्क के आसपास बसे गांवों के लोगों को चीता मित्र बनाया है, वैसे ही तेंदुओं की सुरक्षा के लिए तेंदुआ मित्र बनाए जा सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि तेंदुआ घने जंगल की बजाए बस्तियों और जंगल के बीच के हिस्से में रहना पसंद करते हैं। दरअसल, उन्हें खाने में कुत्ते, बकरी बेहद पसंद हैं, जो बस्ती के आसपास ही मिल पाते हैं। यही कारण है कि तेंदुए आबादी के आसपास नजर आते हैं और आसानी से शिकारियों का शिकार भी बन जाते हैं। तेंदुआ मित्रों को तेंदुओं की सुरक्षा और उनसे सुरक्षित रहने के तरीके सिखाए जाएंगे।

जंगलों से गुजरने वाले रास्तों में अंडर और ओवरब्रिज

जंगलों से गुजरने वाले सड़क और रेल मार्गों में अंडर और ओवरब्रिज बनाने की नीति देश स्तर पर बन चुकी है, उसका पालन भी शुरू हो गया है। इससे भी तेंदुओं, बाघ सहित अन्य वन्यप्राणियों की जान बचाने में मदद मिलेगी।

वर्ष 2022 की बात करें तो मध्य प्रदेश में वाहन और ट्रेन से टकराकर 17 तेंदुओं की मौत हुई है। ऐसे ही जंगल और गांवों के बीच खुले पड़े कुओं को भी मुंडेर बनाकर और जाली लगाकर सुरक्षित बनाना होगा, क्योंकि 2022 में कुओं में गिरने से 10 तेंदुओं की मौत हुई है।

तीन वाहन चोरी

पंचवटी मार्ग का विधायक रामेश्वर शर्मा ने भूमिपूजन किया, जल्द बनकर तैयार होगा

■ भोपाल, यशभारत।

रूके हुए कामों को अचार-सहिंता लगने से पहले पूर्ण करने की कवायद तेज हो गई है। इसके लिए विधायक रामेश्वर शर्मा रोजाना निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर रहे हैं। आचार संहिता लगने के बाद क्षेत्र में काम शिथिल पड़ जाते हैं, जिसको देखते हुए विधायक शर्मा क्षेत्र के बाकी बचे काम को पूरा कराने के प्रयासों में तेजी से लगे हैं। पंचवटी की बहुप्रतीक्षित मुख्य सड़क के निर्माण कार्य का भूमि पूजन रविवार को विधायक रामेश्वर शर्मा ने पंचवटी के लगभग हजार रहवासियों की उपस्थिति में किया। लगभग 3 करोड़ की लागत से सिंगार चोली फ्लाईओवर से पंचवटी होते हुए दाता कॉलोनी मार्ग तक बनने वाली यह स?क जिसकी चौड़ाई 9 मीटर रहेगी। पूर्ण सीसी बनने वाली इस स?क निर्माण से पंचवटी रहवासियों को धूल मिट्टी एवं आवागमन में राहत मिलेगी।विधायक रामेश्वर शर्मा का सिंधी सेंट्रल पंचायत एयरपोर्ट रोड के अध्यक्ष महेश बजाज, द्वारा पुष्प माला से स्वागत अभिवादन किया।

बिल्डर से सेना के जवान ने 50 लाख की फिरौती मांगी, पुलिस

■ भोपाल, यशभारत।

अयोध्यानगर इलाके में रहने वाले 36 साल के बिल्डर रामदास साहू से सेना के जवान ने 50 लाख की फिरौती मांगकर सनसनी फैल दी। 32 साल के थान सिंह ने फिरौती की रकम वसूलने के लिए बाकायदा गोविंदपुरा इलाके से एक बाइक चोरी की और निशातपुरा में एक शराब दुकान के बाहर से युवक से पांच सौ रुपये में मोबाइल भी खरीदा। इसके अलावा बिल्डर को डराने के लिए उसके आफिस में नकाब पहनकर पेट्रोल बम भी फेंककर दहशत फैला दी। बाद में मामला पुलिस तक पहुंचा तो आला अधिकारियों ने चार टीमें तैनात कर आरोपित को फिल्मी अंदाजा में मौके पर रुपये लेने के दौरान ही गिरफ्तार कर लिया।

अयोध्या नगर प्रभारी नीलेश अवस्थी ने बताया कि सागर स्टेट अयोध्या नगर निवासी 36 वर्षीय रामदास साहू एमकेडी नाम से बिल्डरशिप करते हैं।उन्होंने पुलिस को बताया कि अमृत इंक्लेव मे उनका आफिस है। पांच मई की शाम करीब साढ़े सात बजे के करीब उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया और फोन करने वाले ने उनको धमकाया और आदिल नाम बताकर करीब पचास लाख रुपये मांगे, पहले तो उनको लगा कि कोई दोस्त मजाक कर रहा है,लेकिन थोड़ी ही देर बाद उनके आफिस में पेट्रोल बम भी फेंका दिया, इसमें उनके आफिस में रखी एक स्कूटी जलकर खाक हो गई तो वह डर गए। बाद में उसी बदमाश को दोबारा फोन आया और बोला कि ट्रेलर कैसा लगा और अब पचास लाख रुपये का इंतजाम करके रखो, वरना अंजाम भुगताने तैयार रहो। उसने समय और स्थान थोड़ी देर में बताता हूं। इतना सुनते ही रामदास साहू डर गए और सीधे अयोध्या नगर थाने पहुंचे और पूरा घटनाक्रम बताया। इसको पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए आला अधिकारियों को बताया और आरोपित को दबोचने चार टीमें लगाई गई।

महापौर निवास के पास अतिक्रमण हटाने को लेकर विवाद

भोपाल,यशभारत। पुष्पा नगर में स्थित महापौर निवास के पास रविवार को अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान जमकर हंगामा हुआ। कार्रवाई के विरोध में अतिक्रमणकारियों के घर की महिलाएं भी सड़कों पर उतर आई और निगम कर्मचारियों को रास्ता रोक लिया। इस दौरान महिलाओं ने निगम की महिला कर्मचारियों के साथ अभद्रता और झूमाझटकी भी की। जोन क्रमांक नौ के एएचओ (सहायक स्वास्थ्य अधिकारी) बलवीर मलिक ने बताया कि बीते कई दिनों से 80 फीट रोड में स्थित पुष्पा नगर के पास अतिक्रमणकारियों के खिलाफ शिकायत की जा रही थी। यहां सड़क किनारे सब्जी, फल आदि के ठेले लगने की वजह से खरीददारों के वाहन मुख्य मार्ग पर खड़े होते थे। इससे यातायात बाधित होता था। सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत हुई। इसके बाद यहां के कब्जाधारियों को खुद से अतिक्रमण हटाने के लिए एनाउंसमेंट किया। लेकिन जब इन्होंने अपना कब्जा नहीं हटाया तो अतिक्रमण अमले के द्वारा कार्रवाई की गई। इस दौरान दो ट्रक से अधिक दुकानों के काउंटर, कुर्सी, टेबल समेत अन्य सामान जप्त किया।

कलेक्टर ने दी 9.90 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति

बडखेरा में बनेगा जल स्थिरीकरण तालाब

कटनी, यशभारत। जनपद पंचायत रीठी अंतर्गत ग्राम पंचायत बडखेरा के ग्राम बडखेरा में दूषित जल स्थिरीकरण तालाब निर्माण के लिए कलेक्टर कटनी अवि प्रसाद द्वारा 9.90 लाख रुपए की राशि की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। जिससे क्षेत्र में दूषित जल निकासी का उचित प्रबंध हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि गत 26 अप्रैल को ग्राम बडखेरा में भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री प्रसाद के सामने दूषित जल निकासी का प्रबंध कर जल स्थिरीकरण तालाब की मांग सामने आई थी।

10 दिन में इस्टीमेट तैयार कराकर दी स्वीकृति

भ्रमण कार्यक्रम दौरान मांग सामने आने और इसकी उपयोगिता के मद्देनजर कलेक्टर श्री प्रसाद द्वारा मौके पर ही इसका इस्टीमेट तैयार कर शीघ्र इस संबंध में कार्यवाही प्रारंभ करने की घोषणा की थी। इसी घोषणा को मूर्तरूप देने के लिए कलेक्टर श्री प्रसाद द्वारा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग को ग्राम बडखेरा में बसडहा नाले के पास दूषित जल स्थिरीकरण तालाब निर्माण का इस्टीमेट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। निर्देशों के परिपालन में विभाग द्वारा प्रस्तुत इस्टीमेट के आधार पर कलेक्टर श्री प्रसाद द्वारा ग्राम बडखेरा में स्थिरीकरण तालाब निर्माण के लिए 9.90 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की। जिसमें 1.485 लाख रुपए नरेगा मद से और 8.416 लाख रुपए एसबीएम मद से खर्च किए जायेंगे। भ्रमण के महज 10 दिन के भीतर ही कलेक्टर श्री प्रसाद द्वारा बडखेरा गांव की दूषित जल समस्या के स्थायी निदान की दिशा में अपनी घोषणा को अमलीजामा पहनाया जा रहा है।

ग्राम पंचायत को बनाया गया क्रियान्वयन एजेंसी

उक्त कार्य के लिए ग्राम पंचायत बडखेरा को क्रियान्वयन एजेंसी बनाया गया है। कलेक्टर श्री प्रसाद द्वारा उक्त निर्माण कार्य में राज्य स्वच्छ भारत मिशन भोपाल के मार्गदर्शी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री प्रसाद द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में किए जा रहे भ्रमण दौरान आने वाली मांगों और समस्याओं के त्वरित निराकरण के पुरजोर प्रयास किए जा रहे हैं।

कारीतलाई में बना खेल मैदान

सुशासन सप्ताह के दौरान ग्राम भ्रमण में पहुंचे कलेक्टर से बच्चों ने की थी मांग

कटनी, यशभारत। ग्राम कारीतलाई के बच्चों के पास अब गांव में ही एक खेल का व्यवस्थित मैदान है और खेलने के लिए पर्याप्त खेल सामग्री। यह सब संभव हो पाया है कलेक्टर की पहल और निर्देश पर। सुशासन सप्ताह के तहत ग्राम कारीतलाई पहुंचे कलेक्टर से उस वक्त गांव के बच्चों ने गांव में खेल मैदान की मांग करते वक्त ये सोचा भी नहीं था कि उनकी मांग इतनी जल्दी पूरी होकर साकार रूप ले लेगी।

जिन हाथों ने सौंपा था ज्ञापन, आज उन्हीं हाथों में है खेल सामग्री

मध्यप्रदेश शासन के निर्देश पर वर्ष 2022 के अंतिम माह में मनाए गए सुशासन सप्ताह के तहत प्रशासन गांव की ओर अंतर्गत कलेक्टर कारीतलाई पहुंचे थेए जहां उनसे गांव के बच्चों और युवाओं ने गांव में खेल मैदान की मांग की थी। जिसे जल्द पूरा करने कलेक्टर श्री प्रसाद ने आश्वासन दिया था और इस आश्वासन को पूरा भी कर दिखाया।

सीएसआर से कराया गया निर्माण

कलेक्टर श्री प्रसाद द्वारा सांघी कंपनी को सीएसआर मद से कारीतलाई गांव में खेल मैदान विकसित करने के निर्देश दिए गए। निर्देश के परिपालन में सांघी कंपनी ने 4 माह के भीतर गांव में मैदान विकसित कर दिया और सीएसआर मद से ही गांव के बच्चों और युवाओं के लिए खेल सामग्री भी भेंट की। जिससे अब गांव में बच्चों से लेकर युवा खेल आयोजन कर स्वास्थ्य वर्धन और मनोरंजन कर रहे हैं।

बैंक खाते से आधार लिंक तथा डीबीटी 15 मई तक करें पूर्ण

कटनी, यशभारत। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत जिले में अब तक किये जा चुके बैंक खाते से आधार लिंक एवं डीबीटी सक्रिय खातों की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश प्रदान किये गए। विदित हो कि राज्य शासन द्वारा मु यमंत्री लाड़ली बहना योजना प्रदेश की गरीब एवं मध्यम परिवार की महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के लिए लागू की गई। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना अंतर्गत 30 अप्रैल तक कटनी जिले में दो लाख 43 हजार 608 बहनों के ऑनलाईन आवेदन भरे जाकर बैंक खाते से आधार लिंक तथा डीबीटी से शेष हितग्राहियों का लक्ष्य की पूर्ति का कार्य किया जा रहा है। जिस हेतु प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बैंक खाते से आधार लिंक तथा डीबीटी कार्य की समीक्षा के दौरान शनिवार तक 1 लाख 92 हजार 201 कुल 79.92 प्रतिशत हितग्राहियों का बैंक खाते से आधार लिंक तथाए 1 लाख 87 हजार 937 कुल 78.14 प्रतिशत हितग्राहियों का डीबीटी सक्रिय खातों की संख्या पूर्ण कर ली गई है। जनपद स्तर पर की जानें वाली कार्यवाही की समीक्षा कर कलेक्टर श्री प्रसाद ने जनपद पंचायत के मु य कार्यपालन अधिकारियों को शेष कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण किये जाने के निर्देश प्रदान किए गए। कलेक्टर श्री प्रसाद द्वारा प्रतिदिन का पांच हजार हितग्राहियों का लक्ष्य निर्धारित किया जाकर 15 मई तक आवेदनों के कुल पंजीयनए बैंक खाते से आधार लिंक तथा डीबीटी से शेष हितग्राहियों का लक्ष्य आगामी 15 मई तक पूर्ण किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

13 मई को आयोजित होगी नेशनल लोक अदालत

कटनी, यशभारत। कटनी मध्यप्रदेश शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्रालय एवं संचनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास भोपाल के आदेश अनुसार दिनांक 13 मई 2023 शनिवार को नगर निगम सीमा अंतर्गत चार जोन कार्यालयों के अलावा सुभाष चौक में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विगत वित्तीय वर्ष 2022 23 तक की बकाया राशि पर नियमानुसार संपत्ति कर एवं जलकर की बकाया राशि में सरचार्ज में छूट प्रदान की जानी है। राजस्व विभाग के साथण्साथ जोन कार्यालय क्रमशः दुर्गा चौक खिरहनी व बस स्टैंड अडिटोरियम एव नगर निगम कार्यालय तथा माधव नगर उप कार्यालय के अलावा सुभाष चौक में भी लोक अदालत लगाई जाएगी। इसके लिए समस्त अधिकारी कर्मचारी निर्धारित दिनांक 13 मई 2023 शनिवार को प्रातः 10 बजे उपस्थित रहकर वसूली यथावत जारी रखे जाने एवं अधिक से अधिक करदाताओं को अधिभार में छूट का लाभ प्रदान करते हुए कार्रवाई करेंगे। महापौर श्रीमति प्रीति संजीव सूरी द्वारा शहर के समस्त बकायादारों से लोक अदालत में छूट का लाभ प्राप्त करने की अपील की है। राजस्व विभाग से संबंधित समस्या एवं कठिनाई आने पर सहायक राजस्व अधिकारी जागेश्वर पाठक एवं जलकर से संबंधित समस्या के निराकरण के लिए अश्वनी पांडे सहायक यंत्री एवं बाजार किराया से संबंधित समस्या के निराकरण हेतु सुनील सिंह सहायक यंत्री से संपर्क कर तत्काल यथा समय समस्या का निराकरण कराया जाएगा। लोक अदालत के आयोजन हेतु आयोजन स्थलों पर पूर्व अनुसार व्यवस्था किए जाने हेतु आयुक्त नगर पालिक निगम सत्येंद्र सिंह धाकरे द्वारा अधिकारियों कर्मचारियों को समय सीमा पर उपस्थित होकर सोपे गए दायित्वों को पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किए गए हैं।

फायर अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध में दिशा-

कटनी,यशभारत। राज्य शासन ने भवनों में अग्नि से सुरक्षा एवं बचाव को दृष्टिगत रखते हुए फायर अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने हेतु विस्तृत दिशा -निर्देश जारी किया है। राष्ट्रीय भवन संहिता के तहत सभी भवनों में अग्नि सुरक्षा संबंधी प्रावधान भवन स्वामी द्वारा कराना अनिवार्य है। जो 15 मीटर ऊंचे सभी भवन और एक तल पर 500 वर्गमीटर से अधिक निर्मित क्षेत्रफल वाले समस्त भवन। लेकिन इसमें आवासीय एवं धार्मिक एवं सामुदायिक भवनों को छोड़कर। कोई भी होटल, अस्पताल जिसमें 50 से अधिक पलंग व बिस्तर हो ।जबकि 50 से कम पलंग, बिस्तर वाले अस्पताल, होटल स्वयं पालन कर पंजीकृत फायर इंजीनियर का प्रमाणीकरण प्रस्तुत करेंगे तथा संचालन के लाइसेंस अनुमति के समय सक्षम अधिकारी को प्रस्तुत करेंगे। इस प्रकार भवनों के अधिभोग के पूर्व अग्नि सुरक्षा प्रमाण पत्र प्राप्त करना अनिवार्य होगा। राष्ट्रीय भवन संहिता के प्रावधान के तहत भवन अनुज्ञा प्राप्त करने के प्रस्ताव के अनुसार ही प्रस्तावित फायर सेफ्टी प्लान का अनुमोदन अग्निशमन अधिकारी द्वारा जारी किया जाएगा। फायर सेफ्टी प्लान के अनुसार ऊर्जा विभाग के नियमों के तहत जारी विद्युत सुरक्षा प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पश्चात भवन के लिए फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट 3 वर्ष की अवधि के लिए जारी किया जाएगा। पूर्व से निर्मित भवन के संबंध में एनबीसी में निर्धारित मानक के अनुसार फायर प्लान तैयार कर अग्निशमन प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। अग्निशमन अधिकारी द्वारा आवेदन प्राप्ति की 1 माह के भीतर फायर प्लान का अनुमोदन किया जाएगा। समयावधि के भीतर यदि भवन स्वामी के संचालक द्वारा फायर प्लान तैयार कर अग्निशमन अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया जाता तो विलंबित समय हेतु प्रतिदिन 500 रुपए की दर से दंड भवन स्वामी पर किया जाएगा। जो कि 1 वर्ष के पश्चात 1000 रुपए प्रतिदिन की दर से देय होगा। फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट की प्रभावशील अवधि 3 वर्ष की होगी एवं इस अवधि के दौरान भवन के स्वामी व संचालक को प्रत्येक वित्तीय वर्ष 30 जून तक निर्धारित परिशिष्ट एवं प्रारूप में अग्निशमन ऑडिट रिपोर्ट अग्निशमन अधिकारी को प्रस्तुत करनी होगी। फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट 3 वर्ष की अवधि समाप्त होने के बाद 2 माह पूर्व फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट के रिन्यूवल हेतु आवेदन करना होगा। यह रिन्यूवल आगामी 3 वर्ष के लिए तय फीस देकर कराई जा सकेगी। आवासीय तथा शैक्षणिक भवन हेतु 2 हजार रुपए प्रथम 50 वर्ग मीटर के निर्मित क्षेत्र हेतु तथा 500 वर्ग मीटर से अधिक निर्मित क्षेत्रफल हेतु 2 रूपए प्रति वर्ग मीटर की दर से फीस देय होगी। जबकि अन्य भवनों हेतु 5 हजार रुपए प्रथम 500 वर्ग मीटर के निर्मित क्षेत्र हेतु तथा 500 वर्ग मीटर से अधिक निर्मित क्षेत्रफल हेतु 5 रूपए प्रति वर्ग मीटर की दर से फीस का प्रावधान है।

गहोई वैश्य महिला समिति के चुनाव 28 मई को

कटनी,यशभारत। कटनी श्री गहोई समाज कि सामाजिक संस्था गहोई महिला समिति के नवीन चुनाव की मुख्य चुनाव अधिकारी ओंकार प्रसाद बहरें द्वारा दी गई जानकारी अनुसार समिति की मतदाता सूची का प्रकाषन दिनांक 7 मई से 10 मई तक अवलोकनार्थ गहोई वैष्य पंचायती सत्संग भवन में रखी जायेगी इस अवधि में आपत्ति एवं सुझाव 10 बजे से साय 7 बजे तक मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 11 मई प्रत्याशी का नामांकन फार्म जमा 11 मई से 12 मई,समय 3 बजे से साय 7 बजे तक नाम वापिसी 13 मई प्रत्यषियों कि अंतिम सूची का प्रकाषन 14 मई,मतदान दिनांक 28 मई दिन रविवार समय प्रातः 9 बजे से साय 4 बजे तक चुनाव अधिकारी श्री बहरे जी ने समाज कि सभी समाजिक महिला मतदाताओं से आग्रह करते है कि समाज के भवन (धर्मषाला) में पहुंचकर अधिक से अधिक मतदान कर समाज को प्रगति पथ पर अग्रसर कर उन्नति प्रदान करें।

169 कृषकों की होल्ड राशि 14 लाख 22 हजार 361 रुपए खातों में अंतरित

कटनी, यशभारत। कलेक्टर अवि प्रसाद के सार्थक प्रयासों की वजह से बहोरीबंद क्षेत्र के 8ग्रामो के 169किसानों का अर्से से लंबित भुगतान अब हो गया है। किसानों की यह लंबित भुगतान राशि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 7 के उन्नयन कार्य हेतु अनुभाग बहोरीबंद के अन्तर्गत आठ ग्रामों के 169 किसानों की होल्ड की गयी राशि से संबंधित था। कलेक्टर ने किसान हित में विशेष रूचि लेकर प्रकरण का निराकरण कराया और अब होल्ड राशि 14 लाख 22 हजार 361 रुपए कृषकों के बैंक खातों में भेजे जाने हेतु बैंकों को प्रेषित भी कर दी गई है। अनुविभागीय अधिकारी एवं सक्षम प्राधिकारी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग बहोरीबंद प्रदीप कुमार मिश्रा ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 07 के उन्नयन कार्य हेतु अनुभाग बहोरीबंद अन्तर्गत आठ ग्रामों मँगवा, तेवरी, लिगरी, भेडा, स्लीमनाबाद, हरदुवा, सिंहुड़ी व छपरा की भूमियों का अर्जन किया गया था। उक्त अर्जित भूमियों के मुआवजा के संबंध में भूमि स्वामियों के द्वारा कमिश्नर एवं आर्बिटेटर जबलपुर संभाग जबलपुर के समक्ष पंचाट प्रकरण प्रस्तुत किए गए थे। उपरोक्त पंचाट प्रकरणों में कमिश्नर जबलपुर द्वारा पारित आदेशानुसार संशोधित राशि का भुगतान भूमि स्वामियों को किया जाना था, जो कि पारित आदेशानुसार संशोधित राशि संबंधित विभाग भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना क्रियान्वयन इकाई जबलपुर से प्राप्त की जाकर संबंधितों को भुगतान की जानी थी। उक्त राशि अनुविभागीय अधिकारी एवं सक्षम प्राधिकारी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग बहोरीबंद के द्वारा वितरित किए जाने के दौरान कुछ प्रकरणों में मुआवजा राशि को होल्ड किया गया था। इस होल्ड की गयी राशि के निराकरण हेतु संबंधित भूमिस्वामियों और किसानों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। कलेक्टर श्री अवि प्रसाद के संज्ञान में उक्त समस्या के आते ही संबंधित विभाग को समाधान करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही कलेक्टर श्री प्रसाद ने स्वयं प्रकरणों को अपनी निगरानी में रखते हुए समस्या का त्वरित निराकरण कराया । जिसके फलस्वरूप आठ ग्रामों के 169 कृषकों की होल्ड की गयी राशि 14 लाख 22 हजार 361 रुपए कृषकों के बैंक खातों में अंतरित करने हेतु संबंधित बैंक को प्रेषित की गयी है।

मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के द्वितीय चरण की तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न

हितग्राहियों को 67 सेवाओं का मिलेगा लाभ

कटनी, यशभारत। जिले में मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के द्वितीय चरण की तैयारियां जोरों पर हैं। कलेक्टर द्वारा शनिवार को विभागीय अधिकारियों की बैठक आयोजित कर जिले में क्रियान्वयन की रूपरेखा निर्धारित की गई। इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ शिविर गेमावत, डिप्टी कलेक्टर प्रमोद चतुर्वेदी, राकेश चौरसिया, एसडीएम बहोरीबंद प्रदीप मिश्रा, एसडीएम ढीमरखेड़ा विंकी उईके सिहमारे, निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे, जिला कार्यक्रम अधिकारी नयन सिंह, श्रम अधिकारी केण्बी मिश्रा, उपायुक्त पवन कुमार अहिरवार, समस्त जनपद पंचायतों के सीईओ ई. गवर्वेस अधिकारी सौरभ नामदेव, लोक सेवा के जिला प्रबंधक दिनेश विश्वकर्मा सहित जिले के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर नें कहा कि जिले मे मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान का द्वितीय चरण आगामी 10 मई से 25 मई तक आयोजित किया जाएगा। इसके तहत विभिन्न विभागों की 67 सेवाओं का लाभ हितग्राहियों को प्रदान किया जायेगा। शासन की मंशा अनुरूप जिले में अभियान का क्रियान्वयन गंभीरता के साथ किया जाकर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा सके इस हेतु जिले के लोक सेवा केन्द्रों सहित उप लोक सेवा केन्द्रों में अभियान का आयोजन कर लोक सेवा केन्द्रों से संबधित सेवाओं को केन्द्र के माध्यम से ही प्रदान किये जाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री प्रसाद ने कहा कि अभियान की तैयारियों को लेकर गंभीरता बरती जाये, जिला स्तर पर कार्यालय कलेक्ट्रेट सहित नगर निगम कार्यालय, उपकार्यालय के अलावा, जिला चिकित्सालय, कृषि उपज मंडी, तिलक कॉलेज परिसर, विद्युत वितरण कंपनी के जिला एवं ग्रामीण कार्यालयों सहित जिले के अन्य कार्यालयों के साथ-साथ नगर परिषदों, ग्राम पंचायतों, तहसील एवं वार्ड स्तर में भी शिविरों का आयोजन किया जाकर नागरिकों से प्राप्त होने वाली समस्याओं के निराकरण हेतु निर्देशित किया गया। कलेक्टर ने अधिकारियों को सुनिश्चित करने को कहा कि 25 मई के पश्चात उक्त विभागों के कोई भी हितग्राही लाभ से वंचित नहीं रहे। मु य कार्यपालन अधिकारी शिशिर गेमावत ने चिन्हित 67 सेवाओं से संबंधित पूर्व के लंबित आवेदनों की जानकारी गूगल शीट मे आगामी 10 तारीख की पूर्व प्रेषित किये जाने के निर्देश प्रदान किये गए । बैठक में जन सेवा अभियान के प्रथम घटक के तहत नागरिक सेवाओं से संबंधित प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु सक्षम अधिकारी, निराकरण की प्रक्रिया सहित द्वितीय घटक के तहत सीएम हेल्पलाईन अंतर्गत 15 अप्रैल तक प्राप्त कुल शिकायतों का प्राथमिकता के साथ निराकरण करानें के निर्देश दिए गए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गेमावत द्वारा सीएम हैल्पलाईन की लंबित शिकायतों के निराकरण की जानकारी 10 अप्रेल तक अपडेट किये जानें हेतु निर्देशित किया गया। कलेक्टर श्री प्रसाद द्वारा जन सेवा अभियान के तहत जिले में विभिन्न विभागो द्वारा आयोजित किये जाने वाले कुल शिविरों एवं उनके स्थलों की जानकारी से रविवार शाम तक अवगत कराने तथा नागरिकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए लोक सेवा केन्द्र के माध्यम से प्रदान की जाने वाली सेवाओं में संलग्न किये जाने वाले आवश्यक दस्तावेजों संबंधी पंपलेट बनवानें तथा विभागीय अधिकारियों को उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान कर अभियान को सफल बनानें के निर्देश दिए ।

मूंग एवं उड़द उपार्जन के लिए 19 मई तक 26 पंजीयन केन्द्र निर्धारित

कटनी,यशभारत। कलेक्टर अवि प्रसाद द्वारा विपणन वर्ष 2023-24 में ग्रीष्मकालीन फसल मूंग एवं उड़द को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 08 मई से 19 मई 2023 तक उपार्जन हेतु कटनी, ढीमरखेड़ा,स्लीमनाबाद,बहोरीबंद,रीठी, बरही, बड़वारा, विजयराघवगढ़, तहसीलों में 26 पंजीयन केन्द्र निर्धारित किये जाकर चिन्हित पंजीयन केन्द्रों में समस्त कार्य दिवसों में पंजीयन कार्य किये जाने हेतु निर्देशित किया है। 26 उपार्जन केंद्र तहसील कटनी हेतु सहकारी विपणन संस्था मर्या कटनी,प्राथमिक कृषि साख समिति पहाड़ी ,वृहत्ताकार कृषि साख सहकारी समिति कटनी एवं चाका, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित जरवाही को पंजीयन हेतु चिन्हित किया गया है। तहसील ढीमरखेड़ा हेतु प्राथमिक कृषि साख समिति ढीमरखेडा, प्राथमिक कृषि साख समिति सिलौड़ी एवं झिन्ना पिपरिया, तहसील बड़वारा हेतु प्राथमिक कृषि साख समिति बड़वारा,बी. कला,बड़वारा, कांटी, बसाड़ी तथा किसान सहकारी विपणन समिति बडवारा को चिन्हित किया गया है। बरही हेतु प्राथमिक कृषि साख समिति बरही, विजयराघवगढ़ हेतु प्राथमिक कृषि साख समिति देवराकला, सिंगोड़ी, जिवारा अमहेटा नन्हवारा को चिन्हित किया गया है। तहसील स्लीमनाबाद हेतु प्राथमिक कृषि साख समिति तेवरी एवं धूरी तहसील बहोरीबंद हेतु प्राथमिक कृषि साख समिति बहोरीबंद, कुआंएवं सलैया (पटोरी) तथा तहसील रीठी प्राथमिक कृषि साख समिति रीठी, तिलगवां एवं देवगांव को चिन्हित किया जाकर पंजीयन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए है।

Tuesday Offer
@99/- Available On
All Seats Except Recliners

From 08th May 2023

Cineworldz Cinema Katni by CMW
Schedule for the week 08 May to 11 May, 2023

Audi-01	Show
The Kerala Story	12.00.00 PM
The Kerala Story	3.00.00 PM
The Kerala Story	6.00.00 PM
The Kerala Story	9.00.00 PM
Audi-02	**Show**
The Kerala Story	1.00.00 PM
The Kerala Story	4.00.00 PM
Guardians of the Galaxy Vol.3	7.00.00 PM
The Kerala Story	10.00.00 PM
Audi-03	**Show**
The Kerala Story	10.00.00 AM
Ponniyin Selvan-Part 2	12.30.00 PM
Virupaksha hindi	3.30.00 PM
Vardaan 2 Sindhi	6.30.00 PM
Kisi Ka Bhai Kisi Ki Jaan	9.30.00 PM

CINEWORLDZ CINEMA KATNI by CMW
Millal MALL
paytm
bookmyshow

TIMINGS MAY CHANGE FOR CURRENT UPDATE VISIT ON BOOK MY SHOW & PAYTM
2nd Floor , Mittal Mall, Beside Mittal Enclave, Collectorate Road, Katni M.P.
Contact No. 9993123830

एशियन गेम्स के लिए बैडमिंटन टीम का ऐलान

साइना नेहवाल को जगह नहीं, 20 खिलाड़ी करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन गेम्स 2022 के लिए भारतीय बैडमिंटन टीम की घोषणा कर दी गई है। एशियन गेम्स 2022 को कोरोना वायरस की वजह से पोस्टपोन कर दिया गया था, जो इस साल 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक खेला जाएगा। इन एशियन गेम्स में कुल 20 खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, जिनमें 10 पुरुष और 10 महिलाएं शामिल हैं। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल और पारुपल्ली कश्यप को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और दुनिया के 9वें नंबर के खिलाड़ी एचएस प्रणय भारतीय बैडमिंटन टीम का नेतृत्व करेंगे।

सिंधु और प्रणय को मिली सीधे एंट्री

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु, एचएस प्रणय, मेंस डब्लस जोड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के अलावा गायत्री गोपीचंद और त्रिशा जॉली की महिला जोड़ी ने क्क्ख्र रैंकिंग में टॉप- 20 में होने की वजह से पहले ही इसके लिए क्वालीफाई कर लिया था। उन्हें रैंकिंग के आधार पर एशियन गेम्स 2022 में सीधे एंट्री दी गई है। वहीं बाकी खिलाड़ियों को ट्रायल के आधार पर प्रवेश मिला है।

सिंधु का यह सीजन अब तक रहा निराशाजनक

बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में विमेंस सिंगल्स का स्वर्ण पदक जीतने के बाद लंबी चोट के कारण पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु ने काफी समय तक कोर्ट से दूर रहने के बाद 2023 सीजन में वापसी की। स्विस ओपन में सिंधु ने दूसरे राउंड तक अपनी जगह बनाई थी। हालांकि, इससे पहले उन्हें मलेशिया ओपन, इंडिया ओपन, ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के पहले राउंड में ही हारकर बाहर होना पड़ा था।

सात्विक-चिराग भी टीम में शामिल

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2023 का खिताब जीतने वाले खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और उनके साथी चिराग शेट्टी भी टीम में शामिल हैं। विमेंस डबल्स इवेंट में गायत्री गोपीचंद और त्रिशा जॉली की जोड़ी को अश्विनी पोनप्पा और उनकी साथी तनीषा क्रेस्टो की जोड़ी से मदद मिलेगी। गायत्री गोपीचंद और त्रिशा जॉली की जोड़ी ऑल इंग्लैंड ओपन 2023 के सेमीफाइनल तक पहुंची थी।

टीम में लक्ष्य सेन का भी नाम

भारतीय टीम के अन्य सिंगल्स खिलाड़ियों में किदांबी श्रीकांत और मौजूदा सीनियर राष्ट्रीय महिला एकल चैंपियन अनुपमा उपाध्याय का नाम भी शामिल है। राष्ट्रमंडल खेल 2022 के चैंपियन लक्ष्य सेन ने भी मेंस सिंगल्स इवेंट के लिए टीम में जगह बनाई है।

IPL का गणित, प्लेऑफ से एक जीत दूर गुजरात

4 पोजिशन के लिए 10 टीमों में रेस, KKR-SRH-DC को जीतने होंगे सभी मैच

नई दिल्ली, ईएमएस। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में लीग स्टेज के 52 मैच खत्म होने के बाद भी अब तक कोई टीम प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी है। वहीं 10 में से कोई भी टीम अब तक रेस से बाहर भी नहीं हुई है। लीग की सभी टीमों ने 10 से ज्यादा मैच खेल लिए हैं। लीग स्टेज के 18 मैच बाकी हैं। यही मैच टीम के प्लेऑफ क्वालिफिकेशन को कन्फर्म करेंगे। आगे स्टोरी में हम सभी टीमों के पॉइंट्स टेबल की स्थिति देखेंगे, साथ ही जानेंगे कि उन्हें प्लेऑफ में पहुंचने के लिए कितने मैच जीतने होंगे।

कितने मैच जीतने पर क्वालिफाई होंगी टीमें?

पिछले सीजन से 10 टीमें शामिल की गई हैं, लेकिन एक टीम लीग स्टेज में ज्यादा से ज्यादा 14 मैच ही खेलेगी। 16 से ज्यादा पॉइंट हासिल करने वाली टीम क्वालिफाई कर जाएगी। वहीं 14 से कम पॉइंट रखने वाली टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी।

एक जीत से प्लेऑफ में पहुंचेगी गुजरात

गुजरात टाइटंस ने रविवार के पहले मैच में अपने होम ग्राउंड पर लखनऊ सुपरजायंट्स को 56 रन से हराया। टीम ने 11 मैचों में अपनी 8वीं जीत दर्ज की और इस वक्त 16 पॉइंट्स लेकर टेबल में टॉप पर काबिज है। टीम का प्लेऑफ में पहुंचना लगभग तय माना जा रहा है, हालांकि अभी यह पक्का नहीं हुआ है। टाइटंस के 3 मैच बाकी हैं, जो मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु के खिलाफ होंगे। टीम इनमें से एक भी मैच जीत गई तो 18 पॉइंट्स के साथ प्लेऑफ में जगह बना लेगी। तीनों मैच हारने की स्थिति में उन्हें बाकी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। वहीं सभी मैच जीतने पर टीम पहले नंबर पर रहकर क्वालिफायर-1 में पहुंच सकती है।

LSG को सभी मैच जीतने ही होंगे

गुजरात से 56 रन की हार के बाद लखनऊ सुपरजायंट्स के 11 मैचों में 11 पॉइंट्स हैं। टीम ने 5 मैच जीते, वहीं चेन्नई के खिलाफ एक मुकाबला बेनतीजा रहा। ऐसे में टीम चेन्नई के बाद तीसरे नंबर पर है। लखनऊ के 3 मैच हैदराबाद, मुंबई और कोलकाता के खिलाफ होंगे। तीनों मैच जीतने पर टीम 17 पॉइंट्स के साथ प्लेऑफ में क्वालिफाई कर जाएगी। एक भी मैच हारने पर टीम को बाकी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। वहीं 2 या उससे ज्यादा मैच हारने पर टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी।

6 मुकाबलों में 5 हार ने बिगाड़ा राजस्थान का गणित

राजस्थान रविवार को हैदराबाद के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 4 विकेट से हार गई। इस कारण टीम की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लगा है। टीम ने शुरुआती 5 में से 4 मुकाबले जीतकर टूर्नामेंट में धमाकेदार आगाज किया था। फिर उन्हें पिछले 6 मुकाबलों में से 5 में हार का सामना करना पड़ गया। रॉयल्स को इनमें एकमात्र जीत भी चेन्नई के खिलाफ मिल सकी। रॉयल्स के 3 मैच कोलकाता, बेंगलुरु और पंजाब के खिलाफ बाकी हैं। तीनों मैच जीतने पर टीम 16 पॉइंट्स के साथ प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को बरकरार रखेगी, लेकिन इसके लिए उन्हें अपना रन रेट भी बाकी टीमों से बेहतर रखना होगा। एक मुकाबला हारने पर टीम को रन रेट के साथ बाकी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। वहीं 2 या उससे ज्यादा मैच हारने पर टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी।

रोहित एंड कंपनी के लिए खतरे की घंटी, WTC FINAL से पहले फॉर्म में लौटा कंगारू बैटर, कैसे निपटेगी टीम इंडिया?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीमें आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में 7 जून से आमने सामने होंगी. लगातार दूसरी बार इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने वाली भारतीय टीम के खिलाड़ी इस समय आईपीएल में व्यस्त हैं. दूसरी ओर, स्टीव स्मिथ सहित ऑस्ट्रेलिया के कई खिलाड़ी इस समय काउंटी क्रिकेट में खेलकर भारत के खिलाफ मुकाबले की तैयारी कर रहे हैं. विश्व के नंबर वन टेस्ट बैटर मार्नस लैबुशेन ने रोहित शर्मा एंड कंपनी के लिए खतरे की घंटी बजा दी है. मार्नस लैबुशेन काउंटी क्रिकेट में ग्लेमॉर्गन की ओर से खेल रहे हैं. उन्होंने यॉर्कशॉयर के खिलाफ डिविजन टू के मुकाबले में नाबाद 170 रन की पारी खेली. दाएं हाथ के इस बैटर ने अपनी इस पारी में 24 चौके और एक छक्का लगाया. इससे पहले लैबुशेन ने इसी टूर्नामेंट में 64 और 65 रन बनाए थे. लैबुशन खुद को फॉर्म में आने के संकेत दे दिए हैं. भारत की ओर से चेतेश्वर पुजारा ससेक्स की ओर से खेल रहे हैं जिस टीम में स्टीव स्मिथ हैं।

रंग संसार

एक साल बाद काम मिला माधुरी भाभी को

नई दिल्ली,ईएमएस। फिल्मी दुनिया में हर साल, हर महीने तमाम फिल्में बनती और रिलीज होती हैं. बावजूद इसके कई ऐसी टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं जिन्हें बहुत आसानी से काम करने का मौका नहीं मिलता. वेब सीरीज मिर्जापुर में माधुरी यादव के किरदार में नजर आ चुकी एक्ट्रेस ईशा तलवार ने भी काम न मिलने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है. एक्ट्रेस ने बताया कि अच्छी फिल्म और वेब सीरीज में करने के बाद भी ये जरूरी नहीं होता कि आपको आगे भी काम मिलेगा.ईशा तलवार जब वेब सीरीज मिर्जापुर में नजर आई तो उन्होंने अपने किरदार से लोगों का खूब दिल जीता. उस सीरीज में इनके माधुरी भाभी के किरदार को लोगों ने काफी नोटिस किया. लेकिन ऐसी चर्चित वेब सीरीज में काम करने के बाद भी ईशा को पूरे एक साल तक अगले ऑफर का इंतजार करना पड़ा. वह इसी इंतजार में पूरा एक साल निकाल चुकीं थी कि कोई अच्छा ऑफर आएगा तो वह उसे एक्सेप्ट करेंगी. इस बीच उन्होंने कहीं कोई ऑडिशन भी नहीं दिया. उनका मानना है कि ऐसी सीरीज में भी मेरा काम देखकर लोग ऑडिशन की मांग करते हैं. अब लंबे इंतजार के बाद एक्ट्रेस सास बहू और फ्लामिंगों का हिस्सा बनकर काफी खुश हैं.

साल भर घर में खाली बैठी, नहीं मिला काम

ईशा तलवार ने हाल ही में एक न्यूज एजेंसी को दिए अपने इंटरव्यू में बताया कि मिर्जापुर जैसी पॉपुलर वेब सीरीज में भी काम करने के लिए उन्हें दस साल का लंबा इंतजार करना पड़ा था. इससे पहले भी वह एक्टिंग लाइन से लंबे समय से जुड़ी हैं. उन्हें लगा था कि बेहतरीन वेब सीरीज मिर्जापुर अपना एक्टिंग टैलेंट दिखाने के बाद अब उनका संघर्ष थोड़ा कम होगा और उन्हें काम मिलना शुरू होगा. लेकिन ऐसा नहीं हुआ. इस चर्चित वेब सीरीज में काम करने के बाद भी वह एक साल से घर में बैठी हैं उन्हें किसी तरह का कोई ऑफर नहीं आया. अब लंबे समय बाद ईशा सास बहू और फ्लामिंगों में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ डिंपल कपाड़िया लीड रोल में हैं.

अब भी काम के लिए देना पड़ रहा ऑडिशन

एक्ट्रेस ने अपने इंटरव्यू में बताया कि वह अब तक कई बड़े और छोटे डायरेक्टर को ऑडिशन दे चुकी हैं. वेब सीरीज सास बहू और फ्लामिंगों के लिए भी उन्होंने ऑडिशन दिया था. सीरीज के डायरेक्टर होमी अदजानिया से एक्ट्रेस ने कहा कि उनके पास 500 से भी ज्यादा ऑडिशन की रिकॉर्डिंग हैं, जो वह काफी टाइम से दे चुकी हैं. ईशा ने डायरेक्टर को कहा कि वह उनके मिर्जापुर के कुछ सीन्स देखकर उन्हें सिलेक्ट करना चाहें तो कर सकते हैं. बावजूद इसके उन्हें इस सीरीज के लिए भी ऑडिशन देना पड़ा. बता दें कि ईशा अपने अगले प्रोजेक्ट सास बहू और फ्लामिंग को लेकर काफी एक्साइटेड हैं. इस सीरीज में भी वह मिर्जापुर की तरह दमदार किरदार में नजर आने वाली हैं. सीरीज का ट्रेलर लोगों को काफी पसंद आया है. वहीं, एक्ट्रेस का रोल सीरीज की लीड किरदार डिंपल पर भारी पड़ता दिख रहा है।

बकेट स्टाइल हैंडबैग लेकर पहुंचीं अनन्या पांडे लोगों ने उड़ाया मजाक, पूछा- ये पर्स है या बाल्टी

मुंबई, ईएमएस। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे को हाल ही में मुंबई के एक इवेंट में स्पॉट किया गया, इस दौरान वह अपने बैग को लेकर चर्चा में आ गई। इवेंट से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में अनन्या पिंक कलर के आउटफिट में नजर आ रही हैं। इस लुक को उन्होंने एक बकेट स्टाइल बैग के साथ कम्पलीट किया। जिसे देखने के बाद सोशल मीडिया पर लोग उनकी खूब खिंचाई कर रहे हैं। इस वीडियो में अनन्या गोल्डन कलर के बकेट स्टाइल बैग के साथ एंट्री लेती हुई दिखाई दे रही हैं। इस दौरान वहां पर मौजूद पैपराजी ने भी ऐसा पर्स देख एक्ट्रेस से पूछा,ज्मैम पर्स है या बाल्टीज। इतना बोले के बाद सभी हंसने लगते हैं। वहीं अनन्या भी खुद मुस्कुराते हुए निकल जाती हैं।

यूजर्स ने उड़ाया मजाक

सोशल मीडिया पर यूजर्स अनन्या के पर्स को देखकर काफी मजेदार रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने वीडियो पर कमेंट कर लिखा, च्दाल तड़के की बाल्टी, वापस जाते समय भर के लेके जाना।ज्दूसरे यूजर ने कमेंट कर लिखा, इस पर्स का साइज अनन्या के स्ट्रगल के बराबर है।ज्तो वहीं तीसरे ने लिखा, च्वो सब तो ठीक है, लेकिन उसमें रखा क्या होगा।?

अनन्या पांडे का वर्कफ्रंट

अनन्या के वर्कफ्रंट की बात की जाए तो वह जल्द ही आयुष्मान खुराना के साथ 'ड्रीम गर्ल 2' में स्क्रीन शेयर करेंगी। इससे पहले उन्हें विजय देवरकोंडा के साथ लाइगर में देखा गया था। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई थी।

थिएटर से निकलते दिखीं कंगना रनोट, मैक्सी ड्रेस में आईं नजर, फैंस बोले- आप जलपरी लग रही हैं

मुंबई, ईएमएस। हाल ही में कंगना रनोट को सिनेमा हॉल से बाहर निकलते हुए स्पॉट किया गया। इससे जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आया है। वीडियो में कंगना अपने सिक्योरिटी गार्ड्स के साथ बिल्डिंग से निकलते हुए बातचीत कर रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कंगना हॉल से ऐश्वर्या राय की फिल्म क्क-2 देखकर बाहर आ रही थीं। इस दौरान कंगना आरामदायक फ्लो वाली मैक्सी ड्रेस में दिखीं। उन्होंने अपने बाल खुले रखे और नो मेकअप लुक में नजर आईं। कंगना ने अपने आउटफिट को सिर्फ ग्लासेस के साथ एक्सेसराइज किया और हाथ में एक रिंग पहनी। उन्होंने एक हाथ में ब्रेसलेट भी पहने। सोशल मीडिया पर यूजर्स कंगना के इस वीडियो पर लगातार कमेंट कर रहे हैं। कंगना के इस वीडियो पर सोशल मीडिया पर एक फैन ने लिखा- मुझे लगता है कंगना ऐश्वर्या की बहुत बड़ी फैन हैं। वहीं, एक यूजर ने लिखा- कंगना को देखकर ऐसा लग रहा है जैसे वो कोई जलपरी हों।

करीना से फैंस बोले-आपकी उम्र जरा भी नहीं बढ़ी

मुंबई, एजेंसी। हाल ही में करीना कपूर को स्पॉट किया गया। इससे जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आया है। वीडियो में करीना फोन पर बात करती हुई दिख रही हैं। जैसे ही उनकी नजर पैपराजी की तरफ गई, करीना ने हाथ हिलाकर वेव किया और बहुत प्यारी स्माइल भी दी।

प्रिंटेड बोहो लुक में दिखीं करीना कपूर

इस दौरान करीना आरामदायक और फ्लो वाली प्रिंटेड बोहो कुर्ती और पैंट में दिखाई दीं। उन्होंने अपने बालों को जु? में बांधा और ब्लैक कलर की सैंडल के साथ अपना आउट फिट कंप्लीट किया। एक्सेसरीज के तौर पर करीना ने सनग्लासेस लगाए और हाथ में गोल्डन ब्रेसलेट और कानों में गोल्डन हूप इयररिंग्स भी पहने। इसके अलावा उन्होंने अपने हाथ में ब्लैक कलर का बैग भी लिया हुआ है।

अदा शर्मा की फिल्म 'द केरल स्टोरी' का बवंडर जारी, तीसरे दिन की ओपनिंग डे से डबल कमाई

मुंबई, एजेंसी। द केरल स्टोरी' को ऑडियंस से अच्छा रिस्पांस मिल रहा है. इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में लगातार उछाल देखा जा रहा है. फिल्म 5 मई को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई है. फिल्म रिलीज से पहले ही विवादों में घिरी हुई रही है. कई राजनीतिक पार्टियां इसका विरोध कर रही हैं, तो कुछ इसका सपोर्ट कर रही हैं. विवादों में घिरे रहने की वजह से फिल्मों के बीच एक्साइटमेंट और बढ़ गई है. इसी का नतीजा है कि फिल्म को ऑडियंस से अच्छा रिस्पांस मिल रहा है और फिल्म एक अच्छे कलेक्शन की तरफ बढ़ रही है.'द केरल स्टोरी' ने तीसरे दिन का कलेक्शन अपने ओपनिंग डे से दोगुना ज्यादा किया है. हालांकि तमिलनाडु और कई अन्य राज्यों में फिल्म की स्क्रीनिंग को कैंसिल कर दिया गया. वहीं, मध्य प्रदेश में फिल्म की टैक्स फ्री स्क्रीनिंग हो रही है. फिल्म ने ओपनिंग डे पर 8.03 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था. दूसरे दिन 11.22 करोड़ रुपए का कलेक्शन हुआ था।

'द केरल स्टोरी' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

'द केरल स्टोरी' ने तीसरे दिन यानी रविवार को 16 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है. फिल्म ने 3 दिन में 35.25 करोड़ रुपए कमा लिए हैं. फिल्म के लिए पहला वीकेंड सफल माना जा रहा है. आईपीएल 2023 होने और हॉलीवुड फिल्म 'गार्जियन ऑफ गैलेक्सी वॉल्यूम 3' का 'द केरल स्टोरी' पर कोई खास फर्क नहीं दिख रहा है।

'द केरल स्टोरी' का बजट

'द केरल स्टोरी' 40 करोड़ रुपए के बजट में बनी है. फिल्म को सुदीप्तो सेन ने डायरेक्ट किया है और इसमें लीड किरदार अदा शर्मा ने निभाया है. फिल्म में योगिता बिहानी, सोनिया बलानी और सिद्धि इदानी भी मुख्य भूमिका में हैं. फिल्म एक भोली भाली हिंदू लड़की की कहानी है, जिसे इस्लाम कबूल करने के लिए मजबूर किया जाता है. बाद में उसे आईएसआईएस आतंकवादी संगठन में भेज दिया जाता है।

स्कूटी की डिक्की से 60 हजार पार

नईबस्ती में डॉक्टर हुआ वारदात का शिकार

कटनी, यशभारत। कोतवाली के नईबस्ती क्षेत्र में बैंक से रूपए निकाल कर दवाई खरीदने रूके एक डॉक्टर की स्कूटी की डिक्की से 60 हजार रूपए पार होने की घटना प्रकाश में आई है। सोमवार शाम बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। वारदात को अंजाम देते हुए बदमाश डिक्की के अंदर से 60 हजार रुपए से भरा बैग लेकर चंपत हुए हैं। यह पूरी वारदात सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुई है। पीड़ित डाक्टर की शिकायत पर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार रीठी के डॉ. धर्मेंद्र श्रीवास्तव कटनी में खिरहनी फाटक के पास स्थित बैंक से 60 हजार रुपए निकाल कर नई बस्ती शहीद द्वार के पास एक मेडिकल की दुकान से दवाई लेने रुके। बाइक को सड़क किनारे खड़ा कर दुकान में दवा ले रहे थे। तभी एक मोटर सायकल से दो युवक यहां पहुंचे। एक व्यक्ति मोटरसायकल से नीचे उतरा जबकि दूसरा मोटरसायकल में बैठा था। नीचे उतरे व्यक्ति ने डॉक्टर श्रीवास्तव की बाइक की डिक्की में रखे रुपयों का बैग निकाला और मोटरसायकल में बैठ कर फरार हो गया। यह पूरी वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। पुलिस डॉक्टर की शिकायत पर अज्ञात बदमाशों के विरूद्ध मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उनकी तलाश में जुट गई है।

सोशल मीडिया ने बचाई किशोर की जान

आत्महत्या करने की पोस्ट वायरल करते ही पहुंच गई पुलिस

कटनी, यशभारत। बड़वारा थाना अंतर्गत सोशल मीडिया की वजह से एक किशोर की जान बच गई। सोशल मीडिया के प्लेटफार्म इंस्ट्राग्राम में फांसी लगाकर आत्महत्या करने की सूचना देने वाले किशोर को बड़वारा पुलिस ने सुरक्षित बचा लिया। बड़वारा थाना प्रभारी रश्मि सोनकर ने बताया कि इंस्ट्राग्राम में एक आईडी से आत्महत्या करने की जानकारी सार्वजनिक की गई थी, जिसकी सूचना लगते ही तत्काल पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन को दी गई। साइबर सेल और बड़वारा थाने से विशेष टीम का गठन कर पोस्ट करने वाले व्यक्ति तक पहुंचने कोशिश की गई। साइबर सेल की मदद से पोस्ट करने वाले व्यक्ति की लोकेशन बड़वारा थाना क्षेत्र में ही सामने आई। लोकेशन के आधार पर पोस्ट करने वाले किशोर तक पहुंचकर समझाइश दी गई। किशोर मानसिक तनाव की स्थिति में एक पेड़ किनारे बैठा मिला। जिसे सुरक्षित कर पूछताछ की गई तो किशोर ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से घरेलू समस्याएं हो रही हैं, जिसे लेकर मैंने आत्महत्या करने का विचार मन में लाया था और अपने आत्मदाह करने की सूचना सोशल मीडिया के माध्यम से सभी को दी थी। पूछताछ के बाद किशोर को समझाइश देकर परिजनों के सुपुर्द किया गया। ऐसे विचार मन में न लाने एवं सोशल मीडिया पर इस तरीके की पोस्ट न करने की समझाइश भी किशोर को दी गई।

अवैध शराब विक्रय के लिए खाली प्लाट में रख लिया टपरा

मंगलनगर में अवैध दुकान का रहवासियों ने किया विरोध

कटनी, यशभारत। एनकेजे थाना अंतर्गत उपनगरीय क्षेत्र मंगलनगर के साहू मोहल्ला में शराब के अवैध विक्रय के लिए दुकान खोले जाने का क्षेत्र वासियों ने विरोध किया है। इस संबंध में क्षेत्रवासियों के द्धारा एक पत्र कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक को लिखकर अवैध रूप से संचालित शराब दुकान को बंद कराने की मांग की है। रहवासियों ने बताया कि यहां अवैध रूप से शराब का विक्रय करने के लिए खाली प्लाट में टपरा रख लिया गया है। यहां शराब के अवैध विक्रय के लिए टपरानुमा दुकान खोली जा रही है। शराब दुकान खुलने से क्षेत्र का माहौल खराब होगा। बड़ी संख्या में महिलाएं व छात्राएं यहां से गुजरती है। क्षेत्रवासियों ने कलेक्टर व एसपी से शराब बेचने के लिए रखे गए टपरे को हटाने की मांग की है। क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि अविलंब टपरे को नहीं हटाया गया तो उनके द्धारा उग्र आंदोलन किया जाएगा।

महिला सहित आधा दर्जन लोग अवैध शराब के साथ गिरफ्तार

कटनी, यशभारत। पुलिस ने अलग-अलग ठिकानों में दबिश देकर शराब जप्त की है। जानकारी के अनुसार कुठला थाना अंतर्गत कैलवारा फाटक बस स्टैंड में आनंद सोनकर को 3 लीटर शराब, ढीमरखेड़ा पुलिस ने ग्राम मारसिहुड़ी में पन्नालाल सिंह गौड़ को 5 लीटर कच्ची शराब, कैमोर पुलिस ने आम रोड तिराहा के पास ग्राम गुड़गड़ौहा में शकुनबाई प्रजापति के पास से 5 लीटर शराब, रीठी पुलिस ने ग्राम जमुनिया में नरेश आदिवासी के पास से 3 लीटर शराब, बाकल पुलिस ने ग्राम पटीराजा में राजकुमार भुमिया के पास से 17 पाव देशी प्लेन शराब जप्त की है। बाकल पुलिस ने सकरवारा में रामदास साहू के पास से 5 लीटर शराब जप्त की है। अवैध शराब विक्रेताओं के विरूद्ध आबकारी एक्ट की धारा 34 के तहत कार्रवाई की गई है।

लापता बालिकाएं यूपी व महाराष्ट्र में मिली

निवार चौकी पुलिस को मिली सफलता

कटनी, यशभारत। माधवनगर थाना क्षेत्र की निवार पुलिस चौकी के अंतर्गत लापता दो नाबालिग बालिकाओं को पुलिस ने उत्तर प्रदेश व महाराष्ट्र से सुरक्षित दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया है। निवार पुलिस चौकी प्रभारी सेल्वाराज पिल्लई ने बताया कि चौकी क्षेत्र के दो अलग-अलग गांव से दो नाबालिग बालिकाएं लापता हो गई थी। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर विधिवत अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध अपहरण का मामला दर्ज कर लापता बालिकाओं की तलाश शुरू की थी। पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज केडिया के दिशा निर्देश तथा नगर पुलिस अधीक्षक विजय प्रताप सिंह व माधवनगर थाना प्रभारी विजय कुमार विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में एक किशोरी को उत्तर प्रदेश के ग्राम हरिदासपुर तथा दूसरी को महाराष्ट्र के मुंबई से सकुशल बरामद कर कटनी लाया गया और फिर सुरक्षित परिजनों के सुपुर्द किया गया। बालिकाओं को सुरक्षित दस्तयाब करने में निवार पुलिस चौकी प्रभारी सेल्वाराज पिल्लई, प्रधान आरक्षक मनीष व आरक्षक अरविंद की भूमिका रही।

बारात में गए युवक की बेदम पिटाई

कटनी, यशभारत। रीठी थाना अंतर्गत लालपुरा से पड़ोसी जिला पन्ना के शाहनगर थाना अंतर्गत अतरहाई गांव गई बारात में शामिल वाहन चालक के साथ जमकर मारपीट करने की घटना प्रकाश में आई है। मारपीट में चालक को गंभीर चोटे आई हैं। इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक रीठी थाना अंतर्गत ग्राम लालपुरा से एक बारात शुक्रवार को पड़ोसी जिला पन्ना के शाहनगर थाना अंतर्गत ग्राम अतरहाई गई थी। बारात में ग्राम लालपुरा निवासी 40 वर्षीय गोलू पिता श्यामलाल आदिवासी भी बतौर वाहन चालक गया था। गोलू के साथ किसी बात को लेकर जमकर मारपीट की गई है। मारपीट में गोलू को गंभीर चोटे आई हैं। मारपीट की शिकायत शाहनगर थाने में दर्ज कराई गई है। पुलिस ने मारपीट करने वाले युवकों पर मामला दर्ज किया है।

स्कार्पियो-बाइक में सीधी भिड़ंत

विवाह समारोह से लौट रहा युवक गंभीर

कटनी, यशभारत। शादी कार्यक्रम में शामिल होकर मोटरसायकल से घर वापस लौट रहे एक युवक को चार पहिया वाहन ने सामने से टक्कर मार दी। घटना में बाइक चालक को गंभीर चोटें आई हैं। घटना उमरियापान थाना क्षेत्र के नेगवां कॉलोनी की है। टक्कर मारने के बाद चार पहिया वाहन छोड़कर चालक फरार हो गया है। पुलिस टक्कर मारने वाले चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। एएसआई गोपाल सिंह राजपूत ने बताया कि थाना क्षेत्र का मुरवारी निवासी 20 वर्षीय श्यामसुंदर पिता काशीराम पटेल नेगवा गांव में शादी के कार्यक्रम में शामिल होने आया था। रात करीब एक बजे वह मोटरसायकल क्रमांक एम.पी.20एनई-4521 से घर जाने के लिए निकला था। नेगवां कॉलोनी में करही मोढ़ पर खाम्हा की तरफ से आ रहे चार पहिया वाहन स्कार्पियो क्रमांक एम.पी.21सीए-0545 के चालक ने मोटरसायकल में टक्कर मार दी। घटना में मोटरसायकल चालक को गंभीर चोटें आई हैं तथा मोटरसायकल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस और परिजनों को दी। सूचना पर पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे। घायल युवक को मझगवां अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गहन उपचार के लिए जबलपुर रिफर कर दिया गया है। पुलिस ने वाहन को जप्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश कर रही है।

फांसी लगाकर विवाहिता ने की आत्महत्या

कटनी। ढीमरखेड़ा थाना अंतर्गत ढीमरखेड़ा बस्ती में एक महिला के द्धारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली गई। पुलिस से जानकारी के अनुसार ढीमरखेड़ा बस्ती निवासी 39 वर्षीय साधना दुबे पति भारत दुबे ने फांसी लगाकर मौत हो गले लगा लिया। आत्महत्या किए जाने के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने शवपरीक्षण कराते हुए मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

JOB OPENING
Requirement/Skills
1. Tally Prime, 2. Micro-soft Excel, Word
3. Communication Skills
The Dinesh Goods Transport Co.
Address- Near Ajay Dall Mill Madhavnagar gate Acc Post Katni M.P.
Contact- Ayush Jain
Mo. 8989020207

तांडव
दर्द का जानी दुश्मन
गठियावात
कमर दर्द
जोड़ो का दर्द
सूजन
मासपेशीयों का दर्द
तांडव™ तेल
सभी प्रकार के वात रोगों में उपयोगी
TANDAV HERBAL PHARMACY
Customer Care : +91 7974979179

डिजिटल दौर में मैरिज सर्टिफिकेट ऑफलाइन

विवाह पंजीयन के लिए लंबी वेटिंग, गवाह लाने की भी कवायद, लगानी पड़ रही हाजिरी

कटनी, यशभारत। पासपोर्ट बनवाते समय विवाह प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती है। सरकारी हो या निजी नौकरी उसमें पति और पत्नी के दस्तावेजों के रूप में प्रबंधन यह प्रमाण पत्र मांगता है। इसलिए कई युवा अब कोर्ट मैरिज कर रहे हैं। जिनका विवाह हो चुका है वे इसका प्रमाण पत्र बनवाते हैं। वर्ष 2008 के पहले हुए विवाह का पंजीयन जिला प्रशासन के अंतर्गत विवाह अधिकारी करते हैं। इसके बाद का पंजीयन नगर निगम करता है। बुजुर्गों के आवेदन भी विवाह अधिकारी के पास आते हैं। ज्यादातर इसमें अपनी नॉमिनी को उसका हक देने लिए यह प्रमाण पत्र लेते हैं। वही पुनः विवाह के लिए भी आवेदन आते हैं। गौरतलब है कि पासपोर्ट से लेकर दूसरी सेवाओं के लिए विवाह प्रमाण पत्र अनिवार्य है। इसके लिए शासन ने नगरीय निकायों को अधिकृत किया है लेकिन डिजिटल के इस दौर में भी प्रमाण पत्र के लिए रजिस्ट्रेशन से लेकर दस्तावेजों के प्रमाणीकरण की व्यवस्था ऑफलाइन ही है। इससे युवाओं को दफ्तरों में हाजिरी लगानी पड़ती है। रीति-रिवाजों के साथ अब कोर्ट मैरिज और विवाह पंजीयन का चलन तेजी से बढ़ा है। विवाह अधिकारी के पास हर महीने एक दर्जन के लगभग आवेदन आ रहे हैं। इनमें 90 प्रतिशत संख्या युवाओं की रहती है। बाकी 50 से ज्यादा उम्र के लोगों के होते हैं। कई काम में विवाह प्रमाण पत्र की अनिवार्यता रहती है।

आसान है पंजीयन की प्रक्रिया

सर्टिफिकेट के लिए पंजीयन की प्रक्रिया आसान है। आवेदन ऑफलाइन करना पड़ता है। सबसे पहले युवक एवं युवती को विवाह अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर आवेदन देना पड़ता है। उन्हें ऑर्डर सीट पर हस्ताक्षर करने होते हैं। इसके बाद उनकी तस्वीर लगे आवेदन को सूचना पटल पर चस्पा किया जाता है। 30 दिन के भीतर यदि कोई आपत्ति आती है तो उसका निराकरण होता है। यही प्रक्रिया विशेष विवाह अधिनियम के तहत कोर्ट मैरिज करने वालों को भी अपनानी पड़ती है और विवाह अधिकारी प्रमाण पत्र जारी करते हैं। इसके अलावा यदि आवेदन के तीन महीने तक दोनों पक्ष उपस्थित नहीं होते तो उनका आवेदन निरस्त कर दिया जाता है।

डॉ. निशा श्रीवास्तव
एमबीबीएस एमएस ईएंटी गोल्ड मेडलिस्ट
Fellowship in Skull Base Surgery; Ex surgeon AIIMS; Specialist in microscopic Ear, Head-Neck and Endoscopic sinus surgery (FESS) नाक कान एवं गला विशेषज्ञ
नाक, कान, मुंह एवं गले व थायरॉइड का ऑपरेशन व इलाज
इन लक्षण दिखने पर करें संपर्कः- कान से पानी बहना, नाक ब्लॉक, एलर्जी, आवाज में बदलाव, सिर में दर्द खर्राटे, टांसिल कानों में सीटी बजना, चक्कर आना गले व चेहरे में किसी प्रकार की गठान, थायराइड की जांच व उपचार हकलाना तुतलाना मुंह में छाले, मुंह कम खुलना व अन्य गले का कैंसर नाक कान व गले से संबंधित बीमारी के स्पेशलिष्ट प्रख्यात डॉक्टर
पताः- आरोग्य डेंटल के सामने वाणी डायग्नोस्टिक के बाजू में ओम शांति हॉस्पिटल के पास आदर्श कॉलोनी कटनी (म.प्र.) Mob:9431777003,
Email:-nisha.drent@gmail.com

अस्पताल में कार्य करने हेतु स्टाफकी आवश्यकता है
1. जूनियर ड्यूटी डॉक्टर
2. नर्सिंग स्टाफ
3. लैब टेक्नीशियन
4. वार्ड बॉय
5. सिक्योरिटी गार्ड
6 . सफाई कर्मचारी
डॉ. अनमोल चौदहा
एमडी (शिशु रोग)
एफ.आई.एन. (बाम्बे)
पी.जी.पी.एन. (बोस्टन, यू.एस.ए.) फेलोशिप इन न्योनेटालाजी नवजात एवं शिशु रोग विशेषज्ञ वाडिया हॉस्पिटल, बाम्बे
जी.डी. मेमोरियल मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
डन कॉलोनी बरगवां, कटनी
संपर्कः-फोन- 07622-494511, मो. 9893723087

डॉ. कनिका अग्रवाल
M.B.B.S. D.D.V. (Mumbai) IFAAM (Germany) Fellowship in Laser and Dermatosurgery (Thailand)
पूर्व चिकित्सक नानावटी हॉस्पिटल, मुम्बई
चर्म रोग एवं सौन्दर्य विशेषज्ञ
देवपद
स्किन एवं हेयर क्लीनिक
मिलने का समय- सोमवार से शनिवार
सुबह 11:00 से 2 सायं 5:00 से 7.30 बजे तक।
महावीर कीर्ति स्तंभ के सामने
झंडा बाजार, कटनी मो. 7045044274

सुनहरा अवसर
देश की अग्रणी ट्रेक्टर कंपनी आयशर ट्रेक्टर्स एवं समस्त कृषि उपकरणों के लिए ब्लाक व तहसील स्तर पर सबडीलरशिप देना है।
नोट :- अनुभवी एवं इनवेस्टमेंट करने वालों को प्राथमिकता।
स्थान :- आयशर वर्कशॉप चौरसिया मैरिज गार्डन के सामने एन.एच.7 मैहर रोड कुठला कटनी पिन-483501
फोन-8770038387, व्हाट्सएप-8878838502

अब बार-बार लाइट जाने से छुटकारा
9 वॉट इन्वर्टर बल्ब उपलब्ध है।
एलईडी बल्ब, ट्यूबलाईट, पंखे 50 वॉट (कॉपर वाइंडिंग)
2 साल की वारंटी सहित मिलने का एकमात्र स्थान
एलईडी हाउस
संपर्क - वेंकट खंडेलवाल जयदयाल रोड सुभाष वार्ड कटनी
मो.9893009212

SHRI HOSPITAL KATNI
डॉ.दीपक सक्सेना
डॉ.शोभना सक्सेना
विश्वसनीय आईसीयू केयर, जनरल दूरबीन एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन, फिजीशियन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
सुपर स्पेशलिस्ट विशेषज्ञ द्वारा दांतों के सभी प्रकार के इलाज की सुविधा उपलब्ध है।
डॉ. शोभित प्यासी
बी.डी.एस./एम.डी.एस.
रूट कैनाल विशेषज्ञ
डॉ. उपासना स्थापक
बी.डी.एस./एम.डी.एस.
पाइरिया एवं इम्पलांट विशेषज्ञ
संपर्क करें- श्री हॉस्पिटल एम.एम. चौबे वार्ड बरगवां, कटनी
9425325316, 9425151543, 9752414316

SGAT
Johnson Pedder
SETMAX CERAMIC
AVENUE
शकुंतला ग्रेनाईट एण्ड टाईल्स
सभी प्रकार के मार्बल, ग्रेनाईट टाईल्स, कड़प्पा, कोटा, सीमेंट सेनेटरी के थोक एवं फुटकर विक्रेता
पता- आस्था प्लाजा के बगल में बरगवां, कटनी (म.प्र.),
मो. 9009767272, 7694800301, 9981895362
ईमेल- sgatkani11@gmail.com

naturals
India's No.1 hair and beauty salon
OPEN NOW
@ CITY MALL
@ City Mall Katni, 2nd Floor,Barhi Road, Near Main Railway Station, Katni M.P. - 483 501
Mobile : 9343609476

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिंटर्स जबलपुर से मुद्रित एवं कचहरी चौक कटनी से प्रकाशित। सम्पादक-श्याम कटारे एवं स्थानीय सम्पादक-आशीष सोनी*। फोन (07622) 230033, जबलपुर कार्यालय फोन- (0761) 2643333
डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/ 26/22-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)